

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 21 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-170

CLEARANCE SALE

INDIA'S
BIGGEST GARMENTS
SALES

BIGGEST %
DISCOUNT
EVER

For 2 Days 21st & 22nd June 2025

ALL TYPES OF READYMADE GARMENTS, SHOES & MORE

UPTO
80% OFF

BEST BUY COMBO
@999

100% Original Branded Garments & Shoes

LADIES FOOTWARE
@ 250/-



MEN'S FOOTWARE
@ 500/-



LADIES WEAR

Branded T-shirt & Tops	250/-
Branded Kurtis	350/-
Women Palazzo Set	500/-
Cotton, Jeans & Formal Pants	350/-

MEN'S WEAR

Branded T-shirts	350/-
Branded Shirts	350/-
Cotton, Jeans & Formal Pants	500/-
Pullover & Sweat Shirts	350/-

* CONDITIONS APPLY



HYDERABAD MARRIOTT HOTEL & CONVENTION CENTRE

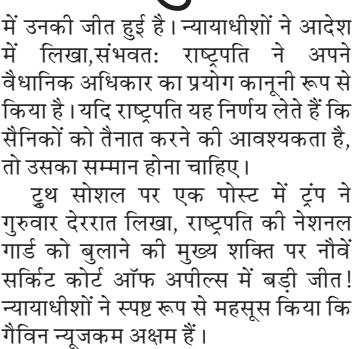
Tank Bund Opp. Hussain Sagar Lake, Secunderabad - 500080

Timings : 10 AM to 10 PM

Follow us: [mannat.fashion_](https://www.instagram.com/mannat.fashion_)

FREE
ENTRY





ईरान की सकारात्री न्यूज एजेंसी मेहर की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के इस्लामी गणराज्य के मिशन ने सोफिया मोडैकल सेंटर की निशाना बनाते के इजराइल के आरोप को खारिज कर दिया है। मिशन ने कहा कि ईरान आत्मरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई कर रहा है। इस युद्ध पर ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ का कहना है कि अब इस्लामी गणतंत्र ईरान ही तय करेगा कि युद्ध का अंत कैसे होगा। खबर के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिकन पार्टी काई कौंस ने घोषणा की कि इजराइल के खिलाफ ईरान के जवाबी सैन्य हमलों का नया दौर शुरू होगा। बलैस्टिक मिसाइलों और ड्रोन् के युद्ध के साथ शुरू किया गया। इनका प्रयोग सैन्य ठिकानों, हाइड्रा और तैल अवीव में इजराइली सैन्य उद्योगों से जुड़े औद्योगिक स्थलों को निशाना बनाने के लिए किया गया।



विद्युत जामवाल ने संस्कृत में दिया भाषण, बोले

योग ने दी मेरी जिंदगी को दिशा

एक्शन स्टार और मार्शल आर्टिस्ट विद्युत जामवाल ने बुधवार को बेंगलुरु में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उद्घाटन समारोह में शिरकत किया, जहां उन्होंने संस्कृत में भाषण दिया। अभिनेता ने योग को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बताते हुए फैस को नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, नशे से दूर रहना चाहिए। यह जिंदगी के हानिकारक

है। कलारीपयट्टु के एक्सपर्ट विद्युत ने कहा, योग भारत की धरोहर है। पतंजलि के योग सूत्रों ने मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। संस्कृत में यह संदेश देना, जो योग ग्रंथों की मूल भाषा है, मेरे लिए एक शिष्य की तरह अपनी परंपरा को सम्मान देने जैसा है, जिसने मेरी जिंदगी, अनुशासन और उद्देश्य को आकार दिया। समारोह की अध्यक्षता योग गुरु एच.आर. नागेंद्र और कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने की। नागेंद्र ने अपने मुख्य भाषण

में योग के समग्र स्वास्थ्य पर पड़ने वाले महत्व पर प्रकाश डाला। यह उद्घाटन समारोह एक सप्ताह तक चलने वाले सीजन, वर्कशॉप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का शुभारंभ था, जिसमें योग के प्राचीन विज्ञान के लिए समर्पित चिकित्सक, शोधकर्ता और नेता शामिल हुए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है, जिसे साल 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने अपनाया था। इसकी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 2014

के संयुक्त राष्ट्र संबोधन में की थी और इस प्रस्ताव को 177 देशों का समर्थन मिला, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। विद्युत के अभिनय करियर पर नजर डालें तो साल 2011 में तेलुगु फिल्म शक्ति से उन्होंने शुरुआत की और उसी साल बॉलीवुड में फोर्स के साथ डेब्यू किया। जामवाल साल 2013 में मार्शल आर्ट्स फिल्म कमांडो में पहली बार मुख्य भूमिका में दिखे थे। वह बिल्हा 2, बादशाहो, कमांडो 2, यारा, कमांडो 3 और

सनक जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। हाल ही में वह स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक – जीतेगा तो जिगा में दिखे, जिसमें उनके साथ अभिनेता अर्जुन रामपाल, नोरा फतेही और एमी जैक्सन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। विद्युत जल्द ही तमिल एक्शन-थ्रिलर मद्रासी में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन एआर मुरगुदास ने किया है। इसमें उनके साथ शिवकार्तिकेयन, रुक्मिणी वसंत, बिजु मेनन अहम भूमिकाओं में हैं।

मालविका मोहनन ने की प्रभास की तारीफ बाहुबली की गिनाई खूबियां



अभिनेत्री मालविका मोहनन की अपकर्मिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साहब' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। निर्देशक मारुति की फिल्म में मालविका के साथ अभिनेता प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। मालविका ने प्रभास की तारीफ करते हुए बताया कि वह शानदार इंसान हैं।

मालविका मोहनन ने को-स्टार प्रभास के साथ पहली मुलाकात का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्हें प्रभास के बातचीत करने का अंदाज पसंद है। मालविका मोहनन से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक फैन ने सवाल किया कि 'द राजा साहब' के सेट पर उनका सबसे पसंदीदा पल कौन सा था? मालविका ने कहा, मेरे लिए 'द राजा साहब' के सेट पर सबसे खास पल था, जब मैं प्रभास सर से पहली बार मिली।

उन्होंने आगे बताया, उस वक्त मेरा शेड्यूल काफी व्यस्त था और मैं उस समय दूसरी फिल्म की शूटिंग भी कर रही थी, 'द राजा साहब' के लिए जब मैं हैदराबाद पहुंची तो बहुत थकी हुई थी और नींद न लेने की वजह से काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा था। लेकिन, मैं जैसे ही सेट पर पहुंची तो प्रभास सर को देखते ही मेरी सारी थकान गायब हो गई। वह बहुत आकर्षक, गर्मजोशी से भरे शानदार इंसान हैं। वह बातचीत में भी कमाल हैं। मुझे उनका अंदाज पसंद है। 'द राजा साहब' को भारत में अब तक बनाए गए सबसे बड़े हॉरर-फैंटेसी सेट पर शूट किया गया है, जिसके लिए एक रहस्यमयी और डरावनी हवेली बनाई गई है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में प्रभास दो अलग-अलग अंदाज में नजर आए। एक में वह एनर्जी से भरे और एक्शन में तो दूसरे में रहस्यमयी अंदाज में दिखे।

प्रभास और मालविका मोहनन के अलावा फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी अहम भूमिकाओं में हैं। पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है और निर्देशन की जिम्मेदारी मारुति ने संभाली है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पलानी ने की है। यह फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

फिल्म वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय : अयान मुखर्जी

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूँ। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूँ।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म

में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाते पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो।

अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए

एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा के लिए ताकत को दिखाती है। दर्शकों को ऐसा जोश देने वाली है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा कि वॉर 2 सच भारतीय सिनेमा की बड़ी मिसाल है, क्योंकि इसमें दो बहुत बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



अपने दिल के जीपीएस संग बाग में दिखीं श्रेया घोषाल

गायिका श्रेया घोषाल ने पति के साथ बिताए खुशनुमा पलों की झलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। गायिका ने इंस्टाग्राम पर पति और बेटे के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो पति और बेटे समेत बगीचे में घूमती नजर आईं। वीडियो में श्रेया घूमती हुई नजर आ रही हैं और उनके पति पेड़ों से फल तोड़ रहे हैं। क्लिप के बैकग्राउंड में श्रेया ने फिल्म सुपर-30 का गाना जुगराफिया को जोड़ा है। श्रेया ने कैप्शन में लिखा, मेरे दिल का जीपीएस?

बता दें, श्रेया घोषाल ने 20 से ज्यादा भाषाओं में 3000 से ज्यादा गाने गाए हैं। साल 2010 से अमेरिका में 26 जून को श्रेया घोषाल दिवस मनाया जाता है। 2010 में, श्रेया घोषाल अमेरिका के ओहियो राज्य में एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने गई थीं। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर, ओहियो के तत्कालीन गवर्नर टेड स्ट्रिकलैंड ने 26 जून को श्रेया घोषाल दिवस के रूप में घोषित किया। यह सम्मान पाने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं। श्रेया घोषाल का जन्म 12 मार्च 1984 को पश्चिम बंगाल में एक बंगाली



हिंदू परिवार में हुआ था। उनके पिता, विश्वजीत घोषाल, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में एक विद्युत इंजीनियर थे और उनकी मां, शर्मिष्ठा घोषाल, एक गृहणी थीं।

उन्होंने 4 साल की उम्र में संगीत सीखना शुरू कर दिया था और 6 साल की उम्र में शास्त्रीय संगीत में औपचारिक प्रशिक्षण शुरू किया। 16 साल की उम्र में, उन्होंने सारेगामापा रियलिटी शो जीता, जिसने उन्हें फिल्म उद्योग में पहचान दिलाई। संजय लीला

भंसाली ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें देवदास में गाने का मौका दिया। पहली बार साल 2003 में फिल्म 'देवदास' के गाने 'बैरी पिया' में सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और तब से वह भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे लोकप्रिय और सफल गायिकाओं में से एक बन गई हैं। उन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और छह फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं।

सलमान खान के गानों पर फिदा हुईं कृति सेनन, बोलीं- क्या म्यूजिक है यार!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन खुद 90 के दशक के गानों की फैन हैं। हाल ही में उन्हें बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर गाने 'जानम समझा करो और प्यार दिलों का मेला है पर झूठे हुए देखा गया। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी वैनिटी वैन में तैयार होती दिख रही हैं। मेकअप करवाते समय वह साल 1999 के हिट गाने जानम समझा करो के बोल गुनगुना रही हैं। यह गाना सलमान खान और उर्मिला मातोंडकर पर फिल्माया गया था। इस वीडियो में कृति मजे से गाने का आनंद ले रही हैं और इसे गुनगुनाती भी दिख रही हैं। इस गाने को लेकर कृति सेनन कहती हैं, मुझे यह गाना बहुत पसंद है। इसके आगे वह इस गाने के संगीत की तारीफ करते हुए वह कहती हैं, क्या म्यूजिक है यार!

इस गाने के बाद दूसरा गाना प्यार दिलों का मेला है प्ले होता है, जो साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म दुल्हन हम ले जाएंगे का है। इस फिल्म में सलमान



खान और करिश्मा कपूर मुख्य भूमिका में थे। इस गाने को सुनकर कृति मेकअप आर्टिस्ट से बात करते हुए कहती हैं, सारे गाने कमाल के हैं। कृति ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा 90 के दशक की बच्ची रहूंगी!! वर्कफ्रंट की बात करें तो, कृति सेनन इस समय अपनी आने वाली फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में व्यस्त हैं, इसमें उनके साथ सुपरस्टार धनुष हैं। 'तेरे इश्क में' को फिल्म 'रांझणा' की कहानी से जुड़ा एक नया हिस्सा माना जा रहा है। यह फिल्म अधूरी मोहब्बत, प्यार की तड़प

और भावनात्मक संघर्ष जैसे विषयों पर आधारित है। फिल्म को गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो मिलकर पेश कर रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन आनन्द एल राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। वहीं भुषण कुमार और कृष्ण कुमार भी इसके प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के निर्देशक आनन्द एल राय हैं, वहीं कहानी हिमांशु शर्मा ने लिखी है। यह फिल्म ए.आर. रहमान के संगीत से भरी होगी, और इसके गाने इशदा कामिल ने लिखे हैं। फिल्म 28 नवंबर को हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज होगी।

पूजा हेगड़े को बेहद पसंद है साड़ियां मैं हमेशा कांजीवरम गर्ल रहूंगी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने कांजीवरम साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि वह हमेशा 'कांजीवरम गर्ल' रहेंगी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर बैंगनी और सुनहरे रंग की खूबसूरत कांजीवरम साड़ी में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने डॉप इयररिंस, चोकर और चूड़ियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। मेकअप में उन्होंने न्यूड लिप्स चुना और अपने लंबे काले बाल खुले रखे। शेयर की गई तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, मैं कांजीवरम, वन्स कांजीवरम गर्ल, ऑलवेज कांजीवरम गर्ल। पूजा की पोस्ट पर फैस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, आप बेहद खूबसूरत हैं। दूसरे ने लिखा, साड़ी में खूबसूरत झलक। कांजीवरम साड़ियां दक्षिण भारत की

शानदार शिल्पकला और शुद्ध मलबरी रेशम से बनती हैं। ये भारी होती हैं और इनकी बुनाई में बारीक कारीगरी दिखती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा जल्द ही डेविड धवन की अपकर्मिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगी। इस रोमांटिक-कॉमेडी-ड्रामा में उनके साथ अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में पूजा हेगड़े, वरुण धवन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, मौनी राय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, अली अख्तर, कुन्ना सैत, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का टाइटल डेविड धवन की साल 1999 की सफल फिल्म 'बीवी नं.1' के गाने 'इश्क सोना है' से प्रेरित है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सोनम कपूर की प्लेलिस्ट में है करियर का सबसे खास गाना

अभिनेत्री सोनम कपूर के दो मशहूर गाने 'प्रेम रतन धन पायो' और 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' ने यूट्यूब पर एक अरब से ज्यादा बार देखे जाने का रिकॉर्ड बना लिया है। इस खास मौके पर सोनम ने इन गानों के अपने अनुभव और प्यार को व्यक्त किया। सोनम ने बताया कि उनका पसंदीदा गाना कौन-कौन सा है। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' के टाइटल ट्रैक में सलमान खान और सोनम कपूर, नील नितिन मुकेश, स्वरा भास्कर के साथ अनुपम खेर भी अहम भूमिका में हैं।

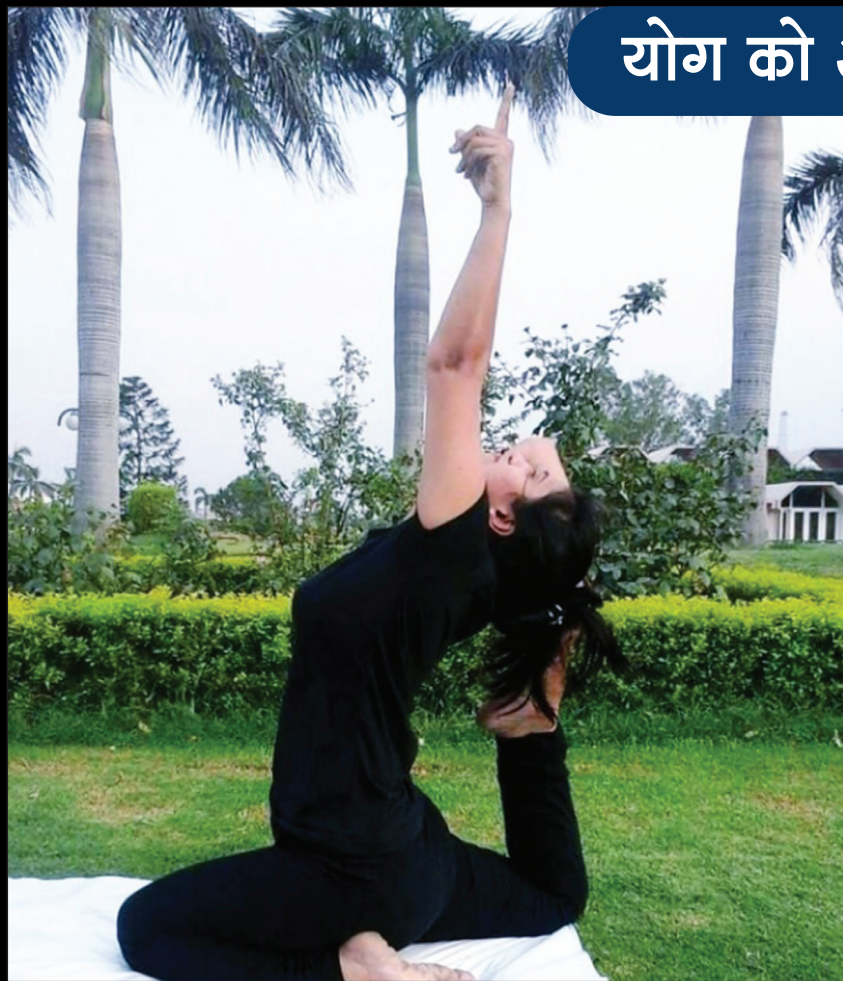
सोनम ने कहा, जब 'प्रेम रतन धन पायो' गाना रिलीज हुआ था, तब डबस्मैश वीडियो हर जगह छाप हुए थे। इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत मजा आया। ऐसा लगता है जैसे यह कल की बात हो। यह गाना आज भी लोगों के बीच खास है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। वहीं, साल 2014 की फिल्म 'खूबसूरत' का गाना 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' सोनम का ऑल-टाइम फेवरेट है। इस गाने में रैपर बादशाह और आस्था गिल की आवाज है। सोनम ने बताया, यह गाना मेरे करियर का सबसे खास गाना है और आज भी मेरी डांस प्लेलिस्ट में शामिल है। इसकी शूटिंग के दौरान मैंने खूब मस्ती की थी। यह देखकर खुशी होती है कि यह आज भी पार्टियों में धूम मचाता है।

'खूबसूरत' फिल्म का निर्देशन शशांक घोष ने किया था। यह 1980 में आई रेखा और राकेश रोशन स्टारर फिल्म का रीमेक है। इसमें सोनम ने मिल्ली नाम की एक मजेदार फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका निभाई, जो एक शाही परिवार के लिए काम करती है और एक राजकुमार से प्यार कर बैठती है। इस फिल्म में सोनम कपूर के साथ फवाद खान, किरण खेर और रत्ना पाठक जैसे सितारे भी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम आखिरी बार क्राइम-थ्रिलर 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं, जो साल 2023 में रिलीज हुई थी। इसे शोम मखीजा ने डायरेक्ट किया था, जबकि सुजाय घोष इसके प्रोड्यूसर थे। फिल्म में सोनम के अलावा पूब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे जैसे कलाकार अहम किरदार में नजर आए। यह 2011 में इसी नाम से रिलीज हुई कोरियन फिल्म की हिंदी रीमेक है। कहानी एक अंधे पुलिस अधिकारी की है, जो एक सीरियल किलर की खोज में है।



जानें आधुनिक जीवन में क्यों आवश्यक है योग

योग को अपनाएं, जीवन को बेहतर बनाएं, स्वस्थ रहें, मस्त रहें, खुश रहें



आज के आधुनिक जीवन में व्यक्ति का मन और शरीर एक-दूसरे से कटता जा रहा है। भागदौड़, मानसिक दबाव, अनियमित दिनचर्या और असंतुलित आहार के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज़ और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में योग एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक समाधान बनकर सामने आता है। योग न केवल रोगों से लड़ने की क्षमता देता है, बल्कि जीवन शैली को संतुलित और मानसिक शांति से युक्त बनाता है। यह तथ्य विभिन्न नैदानिक अध्ययनों द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।

सप्ताह में दो घंटे की हाँबी नहीं, जीवन जीने की कला है

योग महज़ स्ट्रेचिंग या आराम नहीं है – यह दैनिक जीवन में जीने की कला है। यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलन में लाकर एक पूर्ण और एकीकृत व्यक्तित्व का निर्माण करता है। योग:

- ✱ दिमाग को शांत करता है
- ✱ लचीलापन व ऊर्जा बनाए रखता है
- ✱ भावनाओं को संतुलित करता है
- ✱ मन-शरीर के बीच सामंजस्य

लाता है।

हर जीवनशैली के लिए समाधान हर व्यक्ति अपनी ज़रूरत और जीवनशैली के अनुसार योग का मार्ग चुन सकता है:

- ✱ हठ योग – शारीरिक मजबूती के लिए
- ✱ राज योग – ध्यान और आत्म-अनुशासन के लिए
- ✱ ज्ञान योग – विवेक और चिंतन के लिए
- ✱ भक्ति योग – ईश्वर से जुड़ने के लिए
- ✱ कर्म योग – निष्काम सेवा के लिए

इनमें से कोई एक या संयोजन अपनाकर व्यक्ति प्राणायाम, आसन, ध्यान, विश्राम और प्रत्याहार का अभ्यास कर सकता है।

मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का प्राकृतिक उपचार

वर्तमान समय में मानसिक बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं – जैसे माइग्रेन, अवसाद, एंजायटी। स्नायु विज्ञान (न्यूरोलॉजी) अभी शोध के प्रारंभिक चरणों में है, और आज भी डॉक्टर योग को एक प्रभावी उपचार मानते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जब हम सुबह 110 हर्ट्ज़ की ध्वनि में ॐ का उच्चारण करते हैं, तो यह मस्तिष्क को कंपन के माध्यम से 'न्यूरोन

मसाज' देता है। माइग्रेन जैसी बीमारियाँ, जिनका कोई निश्चित इलाज नहीं है, योग के माध्यम से नियंत्रित की जा सकती हैं।

मानसिक सुकून और 8 घंटे की नींद जितना आराम

आज की व्यस्त जीवनशैली में जब मन को विश्राम नहीं मिल पाता, तब योग मस्तिष्क को गहरी नींद के समान विश्राम देता है। शोध बताते हैं कि योग के नियमित अभ्यास से:

- ✱ तनाव कम होता है
- ✱ एकाग्रता बढ़ती है
- ✱ न्यूरो-डिसऑर्डर नियंत्रित होते हैं
- ✱ सकरात्मकता आती है

यही कारण है कि विदेशों में भी योग को व्यापक रूप से अपनाया गया है।

शरीर की नसों और तंत्रिकाओं को सक्रिय करने वाला विज्ञान

योग के विभिन्न आसन शरीर की नसों और तंत्रिकाओं को इस प्रकार खींचते और सक्रिय करते हैं कि शरीर की कार्यप्रणाली बेहतर हो जाती है। जैसे-जैसे तंत्रिकाएँ सक्रिय होती हैं, शरीर रोगों से लड़ने में सक्षम बनता है। इसलिए इसे प्राकृतिक इम्यून बूस्टर भी कहा जा

सकता है।

11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। भारत सदियों से योग का केंद्र रहा है – जहाँ तंत्र, मंत्र, ध्यान, प्राणायाम और कर्म के योग विविध रूपों में विकसित हुए हैं। आधुनिक वैश्विक कल्याण संस्थान (ट्रस्ट) और एवीके न्यूज सर्विस के संयुक्त प्रयास से योग सप्ताह (ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम) चलाया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य योग के महत्व, लाभ और इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना है।

योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला विज्ञान है। यह शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है, और आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। इसलिए-हर दिन थोड़ा योग करें, तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जिएं। योग को अपनाएं, जीवन को बेहतर बनाएं। स्वस्थ रहें, मस्त रहें, खुश रहें।

■ अलका सिंह
योग विशेषज्ञ

सुरवद जीवन और निरोग्यता के लिए करें योग



योग की परम्परा अत्यन्त प्राचीन है और इसकी उत्पत्ति तकरीबन छब्बीस हजार वर्ष पूर्व हुई थी ऐसा माना जाता है। योग के जनक या पित्र पुरुष पतंजलि ऋषि हैं। कहा जाता है कि जब से सभ्यता शुरू हुई है तभी से योग किया जा रहा है। योग सनातन धर्म की अप्रतिम धरोहर है। इसे आज सारा विश्व वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी मानता है, और पूरी शिद्दत से मान्यता देता है। तभी तो आज विश्व का प्रत्येक देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

योग विद्या में भगवान शिव को आदि योगी व आदि गुरु माना जाता है। भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया।

इसके पश्चात पतञ्जलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया। योग से सम्बन्धित सबसे प्राचीन ऐतिहासिक साक्ष्य सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राप्त वस्तुएँ हैं, जिनकी शारीरिक मुद्राएँ और आसन उस काल में योग के अस्तित्व के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। योग के इतिहास पर यदि हम दृष्टिपात करें तो इसके प्रारम्भ या अन्त का कोई प्रमाण नहीं मिलता, लेकिन योग का वर्णन सर्वप्रथम वेदों में मिलता है और वेद सबसे प्राचीन साहित्य माने जाते हैं। यह गर्व का विषय है कि योग की शुरुआत भारत में हुई थी, आज के समय में भारत देश के कई राज्यों में योग में ध्यान दिया जा रहा है। जिससे सबसे आगे

उत्तराखंड राज्य है, राज्य के प्रमुख धार्मिक नगर ऋषिकेश को योग नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर गत कई वर्षों से योग गुरु रामदेव ने योग के प्रचार प्रसार और प्रयोग के लिए अनेक कार्य किए हैं।

योग सही तरह से जीने का विज्ञान है और इस लिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक, आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। योग का अर्थ एकता या बांधना है। इस शब्द की जड़ है संस्कृत शब्द युज, जिसका मतलब है जुड़ना। आध्यात्मिक स्तर पर इस जुड़ने का अर्थ है सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का एक होना। व्यावहारिक स्तर पर, योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने और तालमेल बनाने का एक साधन है। यह योग या एकता आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बैंध, षट्कर्म और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से प्राप्त होती है। तो योग जीने का एक तरीका भी है और अपने आप में परम उद्देश्य भी। योग सबसे पहले लाभ पहुँचाता है बाहरी शरीर को, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक व्यावहारिक और क्रियात्मक पहलू है तो

वही यह आंतरिक रूप से ध्यान और मस्तिष्क को भी पूरी तरह से प्रभावित करता है। हम अनुभव करते हैं, तो अंग, स्तर पर योग मानसिक और भावनात्मक स्तरों पर काम करता है। रोज़मर्रा की जिंदगी के तनाव और बातचीत के परिणामस्वरूप बहुत से लोग अनेक मानसिक परेशानियों से पीड़ित रहते हैं। योग इनका इलाज शायद तुरंत नहीं प्रदान करता लेकिन इनसे मुकाबला करने के लिए यह सिद्ध विधि है।

पिछली सदी में, हठ योग बहुत प्रसिद्ध और प्रचलित हो गया था। लेकिन योग के सही मतलब और संपूर्ण ज्ञान के बारे में जागरूकता अब जाकर लगातार बढ़ रही है। शारीरिक और मानसिक उपचार योग के सबसे अधिक ज्ञात लाभों में से एक है। यह इतना शक्तिशाली और प्रभावी इसलिए है क्योंकि यह सद्भाव और एकीकरण के सिद्धांतों पर काम करता है। योग अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, पाचन विकार और अन्य बीमारियों में चिकित्सा के एक सफल विकल्प है, खास तौर से वहाँ जहाँ आधुनिक विज्ञान आज तक उपचार देने में सफल नहीं हुआ है। एड्स पर योग



के प्रभावों पर अनुसंधान वर्तमान में आशाजनक परिणाम दे रहे हैं। चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार, योग चिकित्सा तंत्रिका और अंतःस्त्रावी तंत्र में बनाए गए संतुलन के कारण सफल होती है। जो शरीर के अन्य सभी प्रणालियों और अंगों को सीधे प्रभावित करती है।

अधिकांश लोगों के लिए, हालांकि, योग केवल तनावपूर्ण जीवन में स्वस्थ रहने का मुख्य साधन हैं। योग बुरी आदतों के प्रभावों को उलट देता है, जैसे कि सारे दिन कुर्सी पर बैठे रहना,

मोबाइल फोन को ज़्यादा इस्तेमाल करना, व्यायाम न करना, गलत खान-पान रखना इत्यादि। इनके अलावा योग के कई आध्यात्मिक लाभ भी हैं। इसे पूरा लिखना आसान नहीं है, क्योंकि यह आपको स्वयं योग अभ्यास करके हासिल कर सकते हैं। हर व्यक्ति को योग अलग रूप से लाभ पहुँचाता है। तो योग को अवश्य अपनायें और अपनी मानसिक, भौतिक, आत्मिक और आध्यात्मिक सेहत में सुधार लायें। आधुनिक वैश्विक कल्याण संस्थान (ट्रस्ट) और अखिल विश्व कल्याण न्यूज सर्विस के संयुक्त प्रयास से योग सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य योग के महत्व, लाभ और इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना है। अगर आप ये निम्न कुछ सरल नियमों का पालन करेंगे, तो अवश्य योग अभ्यास का लाभ उठा पाएँगे। टीप:-

अच्छा होगा किसी गुरु के निर्देशन में अभ्यास शुरू करें। सूर्योदय या सूर्यास्त के वक्त योग का सही समय है। योग करने से पहले स्नान ज़रूर करें। योग खाली पेट करें। योग करने से दो घंटे पहले कुछ ना खायें। आरामदायक सूती कपड़े पहनें।

तन की तरह मन भी स्वच्छ होना चाहिए। योग करने से पहले सब बुरे खयाल दिमाग से निकाल दें। किसी शांत वातावरण और सॉफ़ जगह में योग अभ्यास करें। एक चटाई या दरी स्वच्छ पर आसन स्वरूप बिछा लें। अपना पूरा ध्यान अपने योग अभ्यास पर ही केंद्रित रखें। योग अभ्यास धैर्य और दृढ़ता से करें। अपने शरीर के साथ ज़बरदस्ती बिल्कुल ना करें। निरंतर योग अभ्यास जारी रखें। योग करने के आधा घंटा बाद तक कुछ ना खायें एवं एक घंटे तक न नहायें। धीरज रखें। योग के लाभ महसूस होने में वक़्त लगता है। प्राणायाम हमेशा आसन अभ्यास करने के बाद करें। अगर कोई मेडिकल तकलीफ़ हो तो पहले डॉक्टर से ज़रूर सलाह लें। अगर तकलीफ़ बढ़ने लगे या कोई नई तकलीफ़ हो जाए तो तुरंत योग अभ्यास रोक दें। योगाभ्यास के अंत में हमेशा श्वासन करें।

■ सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मेरी लंबी आयु का रहस्य योग ही है : 104 वर्षीय योगाचार्य रतनलाल जाजू

हैदराबाद के सभी योग साधक जानते हैं, रतनलाल जाजू की उम्र 104 वर्ष में प्रवेश हो गई है और आज भी निरंतर योग की कक्षाएं दादाजी योगा ग्रुप के जरिए सभी व्यक्तियों, महिलाओं और पुरुषों को निःशुल्क योग सिखाते हैं और उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए उपाय बताते रहते हैं।

श्री जाजू जी का जन्म कलम, उस्मानाबाद जिले में एक छोटे से गांव में, लातूर के समीप सन् 1922 में हुआ था। बचपन में ही वह आर्य समाज और उसके गतिविधियों में बढ चढ़कर भाग लेने लगे और प्रतिदिन हवन/यज्ञ में कलम स्थित आर्य समाज मंदिर में सम्मिलित होते और आर्यवीर दल के साथ जुड़ने से प्रातः एवं सायं शारीरिक व्यायाम, लठ चलाना, भाला चलाना और समाज सेवा में व्यस्त हो गए।

हैदराबाद स्टेट उन दिनों भारत परतंत्र रहने से और निजाम शासन के अत्याचारों के कारण बहुत ही संघर्षमय जीवन बिताता पड़ा और आर्य समाज से जुड़ने के कारण श्री जाजू ने समाज सेवा और हैदराबाद की निजाम शासन से मुक्ति के लिए अपना योगदान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से निरंतर देते रहे।

कलम में आयोजित आर्य समाज के सम्मेलनों में स्वयंसेवी बनकर भाग लेते और बैरिस्टर विनायकराव विद्यालंकार, तेज़ तर्रार युवा क्रांतिकारी नेता पंडित गंगाराम जी, पंडित नरेंद्र जी आदि महापुरुषों के ओजस्वी वाणी से प्रभावित होते और समाज में सभी को आर्य शिवरों से प्रशिक्षण में भाग लेने



और समाज सेवा के लिए नवयुवकों के साथ संगठन को मजबूत करते रहे।

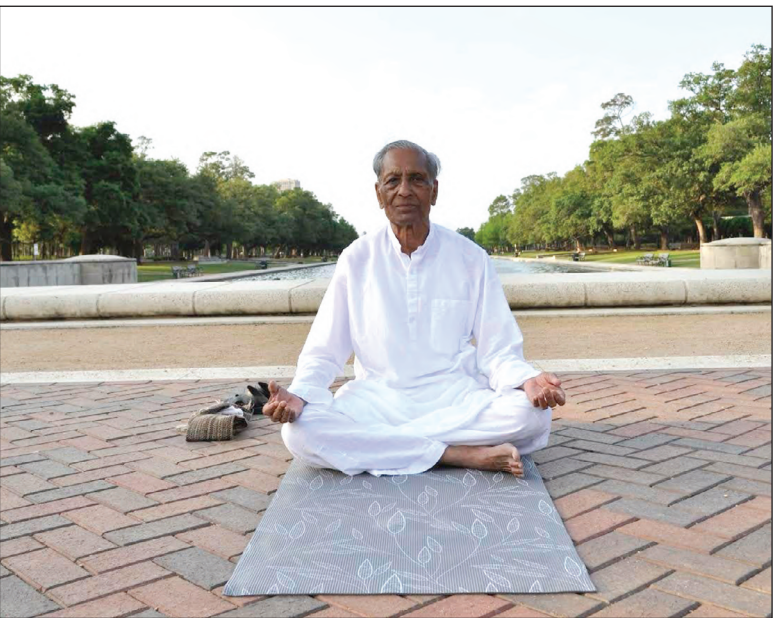
प्राथमिक और आगे की पढ़ाई हेतु कलम से परली और अम्बाजोगाई फिर दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए हैदराबाद आये और सिटी कॉलेज से पढ़ाई की और इस मेधावी बालक ने गणित और अन्य विषयों में बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। उस काल आठवीं कक्षा तक पढ़ा लिखा विद्यार्थी, वकालत कर सकता था, फिर इन्होंने दसवीं तक पढ़ाई की। आगे की पढ़ाई भी उन्होंने प्रसिद्ध सिटी कॉलेज से की, जो की उस काल में हाईकोर्ट को लग कर बनाया गया।

पढ़ाई पूर्ण कर बटन फैक्ट्री में काम करने लग गए। फैक्ट्री के काम से उन्हें देश विदेश के कई दूरस्थ स्थानों पर जाने का अवसर मिला और उसका उन्होंने भरपूर लाभ उठाया और भारत के बारे में अलग-अलग जगह पर कैसा कैसा शासन है उसे जाना पहचाना। इनका विवाह प्रसिद्ध आर्य समाजी, समाजसेवी तथा हैदराबाद मुक्ति में अहम भूमिका निभाई ऐसे श्री मोहनलाल बलदेवा जी की दोहिती और घनश्याम दास एवं राधा बाई अठासनिया की सुपुत्री शांता देवी से सन् 1944 में आर्य समाजी परिवार में हुआ और इस दंपति ने उस काल में निरंतर आर्य

समाज के उत्थान में तथा आर्य सत्याग्रहियों के सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी और उनको सहयोग देते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाया।

भारत स्वतंत्र हुआ लेकिन निजाम शासन काल में ही इन्होंने 15 अगस्त 1947 को हैदराबाद में हिंदी में शान्ति प्रिंटर्स के नाम पर चारमीनार के नजदीक प्रिंटिंग प्रेस आरंभ किया जो आज भी सक्रिय है, हिंदी की सेवा करते हुए, महर्षि दयानंद सरस्वती के बताए हुए हिंदी प्रचार प्रसार में लगा हुआ है।

आर्य समाज और महर्षि दयानंद से प्रभावित होने के कारण इन्होंने अपने पांचों सुपुत्रियों वसुंधरा, अरुणा, सुष्मा, मंजुला और माधुरी को उच्च शिक्षा प्राप्त कराई, दो को डॉक्टर और दो को साइंटिस्ट बनवाया और आज वह विदेशों में अपना डंका बजा रही है, तीन अमेरिका में, एक ब्रिटेन में और एक औरंगाबाद में। यह सब इनके विचार और संस्कार में आर्य समाज का बड़ा योगदान रहा है। उनके दोनों सुपुत्र प्रदीप और गिरीश बड़े होने तथा अपने-अपने व्यवसायों पर लग जाने पर, आगे का जीवन में अपने आपको इन्होंने स्वस्थ और मोक्ष प्राप्ति के लिए योग पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू किया। बाबा रामदेव जी के प्रथम हैदराबाद शिविर से योग यात्रा आरंभ कर योग प्रशिक्षण प्राप्त कर, हरिद्वार में एक महीना रहकर वहां पर भी पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर, इन्होंने पारमैटम गार्डन, मलकपेट में निःशुल्क योग केंद्र स्थापित की। सुबह और शाम में निरंतर कक्षाएं लेना शुरू किया जिसमें लगभग 100 से अधिक साधकों को लाभ होना शुरू हुआ और इनका भी



हौसला बढ़ता ही गया।

103 वर्ष पूर्ण होने पर भी इन्होंने योग की शिक्षा निःशुल्क देने में कोई कसर नहीं छोड़ी और प्रतिदिन प्रातः अपने निवास स्थान कुल्बीगुड़ा, काचीगुड़ा पर दादाजी योगा ग्रुप नाम से योग कक्षाएं चलाते हैं और अनेक लोगों ने इसका लाभ उठाया और उठा रहे हैं। इस दम्पति ने योग को विदेशों में भी अपने प्रवास में जनसाधारण के लिए सिखाया और आज भी वहां के साधक इससे संपर्क में है और योग का लाभ उठा रहे हैं। इन्होंने अमेरिका में 8 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर अनेक साधकों को योग सिखाया। उनकी धर्मपत्नी शान्ता देवी जाजू

के संग अपने प्रवास के दौरान बर्मिंघम, लंदन के प्रवास पर योग की कक्षाएं ली और अनेक लोगों को योग से प्रभावित एवं प्रशिक्षित किया।

आज 21 जून, 2025 को 11वें विश्व योग दिवस के अवसर पर रतनलाल जाजू का सभी के लिए यही पर्व संदेश है कि कम से कम एक घंटा अपने स्वास्थ्य के लिए योग साधना में लगाओ और सात्विक आहार तथा साधारण जीवन जियो। इसी में सुखी और स्वस्थ तथा लंबी आयु का रहस्य छिपा पड़ा है।

■ भक्त राम,
अध्यक्ष, पण्डित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद

शनिवार,21 जून, 2025

हैदराबाद

शुभ लाभ

खबरों जो सोच बदल दे

हिंदी टीका-भाषा पत्र

संपादकीय

पीएम की दो टूक

अब भारत और उसके प्रधानमंत्री मोदी को यह मुद्दा दफन ही कर देना चाहिए। विपक्ष को भी समझना चाहिए कि यह राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं है। विपक्ष को इस संदर्भ में मजाकिया टिप्पणियां करने से भी बाज आना चाहिए। सत्ता में आने का उसे भी मौका मिलेगा, तब भी अमरीकी राष्ट्रपति का यही रवैया रहा, तो क्या करेंगे? हमें यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि फोन पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 35 मिनट लंबी बातचीत होने के बावजूद अमरीकी राष्ट्रपति वही पुराना, घिसा-पिटा राग अलाप रहे हैं। बेशक ट्रंप दुनिया की सबसे ताकतवर और संपन्न महाशक्ति के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, तो नरेंद्र मोदी भी सबसे अधिक आवादी, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था और दुनिया के सबसे व्यापक बाजार भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। भारत की अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सोच और क्षेत्रीय अखंडता है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक समझा दिया कि भारत न तो मध्यस्थता स्वीकार करता है, न भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है।

इच्छा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'क्वाइट हाउस' में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनरो को लंच का आतिथ्य पेश किया है, तो यह अमरीका की कूटनीतिक, व्यापारिक और सामरिक विवशता हो सकती है। यदि अमरीका को ईरान पर हमला करना है, तो उसे पाकिस्तान के एयरबेस और हवाई क्षेत्र की जरूरत पड़ेगी। ईरान के साथ पाकिस्तान की 900 किमी लंबी सीमा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नूरखान एयरबेस, जिसे भारत के हवाई हमलों ने तबाह कर दिया था, अमरीकी नियंत्रण में है। वहां पाकिस्तान के जनरल भी फटक नहीं सकते। बहरहाल उसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा, अमरीका की नजर पाकिस्तान के खनिज संसाधनों पर है। अमरीका ने क्रिप्टो करेंसी का मुख्यालय पाकिस्तान को बनाना तय किया है। वहां राष्ट्रपति ट्रंप के सुपुत्र और दामाद यह धंधा संचालेंगे। बहरहाल देश को प्रधानमंत्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयानों को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे ही भारत सरकार हैं। अब सब कुछ कहने-सुनने को संसद सत्र का इंतजार करना चाहिए।

आप का नजरिया

हिमाचल का पहलगाम

सरकार के कदम पहुंचते ही बंद फाड़ते खुल जाती हैं, प्रदेश का बजट और योजनाएं आंखें खोल लेती हैं और विकास की प्राथमिकताएं नई कसरतें शुरू कर देती हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ‘सरकार गांव के द्वार’ में अब तक जो क्षेत्र मापे हैं, वे सभी अपनी विपरीतताओं के आगोश में नई आर्थिकी की कसबते भी हैं। यह दौरार है कि अभी चंबा, लाहुल-स्पीति, कुल्लू व किन्नौर की प्रकृति में ही प्रक्रिमा के हस्ताक्षर करती उममीदें सामने आई हैं। अब बागा सराहन तक पहुंचे कदम ठिठक जाते हैं। प्रकृति अपने निखार को श्रृंखलाबद्ध करके हाजीरी लगाती है, तो मुख्यमंत्री का शिविर, ‘सरकार पर्यटन का द्वार’ बना देता है। पहली बार पर्यटन की अभिलाषा सरकार के साथ कदमताल करती है, तो संभावनाओं के अक्स में एक साथ कई पहलगाम, कदमताल करना शुरू कर देते हैं। सरकार तो पहुंच गई, लेकिन पर्यटक कैसे पहुंचें, क्योंकि आयात नहीं है इतनी क्षेत्र के मार्नाचिक को सडक की यात्रा से सीधे जोडना। अभी सारी कर्नेक्टिविटी रामपुर बुरशर और निरमंड के कठिन मार्ग से ही संभव है, जबकि सामने कुल्लू से आंख मिलाले इस स्थान को एक अदद आसान सी सडक चाहिए। हम बार-बार कहते आए हैं कि पर्वतीय राज्यों में कुछ पर्यटन मार्ग चिन्हित होने चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर कुल्लू से बागा सराहन की लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पाट दी जाए, तो पूरा पर्यटन कश्मीर घाटी के तिलिस्मि को भूल जाएगा। बहुत पहले जब शांता कुमार प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने खजियार व विकास को स्विट्जरलैंड की राह पर देखा, लेकिन आज तक हुआ कुछ भी नहीं। देखा जाए तो एंडीबी प्रोत्साहित परियोजनाओं में भी पर्यटन विकास की परिपाटी विकसित करने के बजाय फिजूलखर्चीं ही हुईं या राजनीतिक तरफदारी में अनेक संभावनाएं गुम हो गईं। यही आश्चर्य बागा सराहन जैसे स्थानों को घोर उपेक्षा में देख रहा है। पिछली सरकार ने ‘नई राहें-नई मंजिलों’ के तहत तीन महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की थीं, लेकिन पर्यटन दोहन की अति का एक नजारा आज का बीड़-बिलिंग है। नए क्षेत्रों के विकास को एक मॉडल के तहत ही स्थापित करना चाहिए। कल बागा-सराहन की हालत आज के बीड़-बिलिंग की तरह न हो, इसलिए आसपास के विस्तृत क्षेत्र को साझा के तहत लाकर टीसीपी कानून लागू कर देना चाहिए। बागा-सराहन को कश्मीर के पहलगाम से भी श्रेष्ठ रैंकिंग में लाना है, तो बीएस-पच्चीस वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए पर्यटन एवं शहरी विकास योजना का मार्नचित्र तैयार करना होगा। आज से ही कंक्रीट के जरिए निर्माण को प्रतिबंधित करते हुए क्षेत्र को पारंपरिक वास्तुशास्त्र के तहत ही अनुमति प्रदान करनी होगी। कुछ साल पूर्व हमने सिवासी रीति-रिवाज से मनाली की विलेज की एक बड़ी परियोजना को शून्य किया था या आज पूरे मनाली क्षेत्र की आभा को ही कंक्रीट के बेहद डस्टेमाल से उजाड़ चुके हैं, तो बागा-सराहन को पर्यटन के भविष्य के रूप में सुसज्जित व सुव्यवस्थित करने के लिए एक अलग से प्राधिकरण या विकास बोर्ड का गठन करना होगा। मुख्यमंत्री ने कुल्लू से जोडवें के लिए सडक सर्वेक्षण की घोषणा के अलावा ई आई खरीद पर पचास फीसदी सबसिडी की घोषणा की है। पर्यटन विकास को अब विभिन्न डेस्टिनेशन के हिसाब से एक मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। उदाहरण के लिए पालमपुर के आसपास हाई-वे टूरिज्म डेस्टिनेशन के माध्यम में टूरिस्ट विलेज, मनोरंजन पार्क, टी टूरिज्म और फूड मार्ट से सुसज्जित करके वाइब्रेट बनाना होगा।

भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे

हमारे और अंग्रेजों के महाराजा रणजीत सिंह

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखी थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे। भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे हैं। महाराजा रणजीत सिंह भी उनमें से एक हैं। रणजीत सिंह को ब्रिटिश इतिहासकारों ने अपने तरीके से सृजित किया है। उदाहरण के लिए लैपल ग्रिफिन के रणजीत सिंह की चर्चा की जा सकती है। वैसे लैपल ग्रिफिन प्रशिक्षण से इतिहासकार नहीं थे। वे हिंदुस्तान में यहां की सेना में एक उच्च ब्रिटिश अधिकारी थे। उनका नाम भी महाराजा रणजीत सिंह पर लिखने वालों में प्रमुखता से लिया जाता है। उन दिनों जिस प्रकार का रणजीत सिंह ब्रिटिश शासकों को अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुकूल चाहिए था और वे भारतीय जनमानस में जैसी छवि रणजीत सिंह की स्थापित करना चाहते थे, लैपल ग्रिफिन ने वैसे ही रणजीत सिंह की रचना की। बाहर से यह शरारत इतनी जल्दी पकड़ में नहीं आती। लेकिन भीतर गहरा झांकने से पाठक इस शरारत को पकड़ सकते हैं। महाराजा रणजीत सिंह का देहांत 27 जून 1839 को 58 साल की आयु में लाहौर में हुआ था। पंजाब/सप्त सिंधु पर 1846 में अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों के शिंकजे में फंसने वाला सप्त सिंधु/पंजाब भारत का अंतिम भाग था। इससे पहले भारत का अधिकांश भाग उनके कब्जे में आ गया था। जाहिर है ब्रिटिश शासकों को आम जनता में अपने राज्य को बेहतर सिद्ध करने के लिए रणजीत सिंह और उनके राज्य को निकृष्ट सिद्ध करना जरूरी था। इसके लिए ब्रिटिश नौकरशाहों को ही इतिहासकार का बुकी पहना कर रणजीत सिंह पर पुस्तकें लिखी गईं। इस प्रकार की किताबों को समझने के लिए एक अफ्रीकी कहावत हमारी सहायता कर सकती है। इस कहावत के अनुसार जब तक

के इतिहास, यहां की रियासतों, मजहबों व समाज शास्त्र पर पर अनेक ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखी थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे।

देश दुनिया से

राहुल गांधी के 'मिशन बिहार' को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरों के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सके। लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बैचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजन ने इतनी क्षेत्र से से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेंगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पदों के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूरजों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल

दृष्टि कोण

हमें

जिंदा रहने के लिए क्या चाहिए? आप शायद इस सवाल पर हंस रहे होंगे कि कितना बचकाना सवाल है। बच्चा-बच्चा जानता है, कि जीवित रहने के लिए हमारी सांसों का चलना बहुत जरूरी है। सांसें गईं, तो सब गया। मतलब इन्सान खत्म। जितना सच ये है कि, सांसों की जरूरत के बारे में सबको पता है, उतना ही बड़ा सच ये भी है कि, शायद ही कोई ऐसा इन्सान होगा, जिसे पता नहीं होगा कि स्मोकिंग और सांसों के बीच क्या रिश्ता है। स्मोकिंग का सीधा संबंध, हमारे फेफड़ों से है। स्मोकिंग चाहे किसी भी रूप में हो, वो इन्सान के फेफड़ों को तबाह कर देती है। फेफड़े ही हैं, जो हमारी सांसों को चलता रखते हैं। ये खराब होते हैं, तो सांसों की लड़ी भी टूटने लगती है, बिखरने लगती है। इस बात में भी सी प्रतिशत न सच्चाई है कि सन जाते हैं कि स्मोकिंग करना

के इतिहास, यहां की रियासतों, मजहबों व समाज शास्त्र पर पर अनेक ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखी थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे। भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे हैं। महाराजा रणजीत सिंह भी उनमें से एक हैं। रणजीत सिंह को ब्रिटिश इतिहासकारों ने अपने तरीके से सृजित किया है। उदाहरण के लिए लैपल ग्रिफिन के रणजीत सिंह की चर्चा की जा सकती है। वैसे लैपल ग्रिफिन प्रशिक्षण से इतिहासकार नहीं थे। वे हिंदुस्तान में यहां की सेना में एक उच्च ब्रिटिश अधिकारी थे। उनका नाम भी महाराजा रणजीत सिंह पर लिखने वालों में प्रमुखता से लिया जाता है। उन दिनों जिस प्रकार का रणजीत सिंह ब्रिटिश शासकों को अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुकूल चाहिए था और वे भारतीय जनमानस में जैसी छवि रणजीत सिंह की स्थापित करना चाहते थे, लैपल ग्रिफिन ने वैसे ही रणजीत सिंह की रचना की। बाहर से यह शरारत इतनी जल्दी पकड़ में नहीं आती। लेकिन भीतर गहरा झांकने से पाठक इस शरारत को पकड़ सकते हैं। महाराजा रणजीत सिंह का देहांत 27 जून 1839 को 58 साल की आयु में लाहौर में हुआ था। पंजाब/सप्त सिंधु पर 1846 में अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों के शिंकजे में फंसने वाला सप्त सिंधु/पंजाब भारत का अंतिम भाग था। इससे पहले भारत का अधिकांश भाग उनके कब्जे में आ गया था। जाहिर है ब्रिटिश शासकों को आम जनता में अपने राज्य को बेहतर सिद्ध करने के लिए रणजीत सिंह और उनके राज्य को निकृष्ट सिद्ध करना जरूरी था। इसके लिए ब्रिटिश नौकरशाहों को ही इतिहासकार का बुकी पहना कर रणजीत सिंह पर पुस्तकें लिखी गईं। इस प्रकार की किताबों को समझने के लिए एक अफ्रीकी कहावत हमारी सहायता कर सकती है। इस कहावत के अनुसार जब तक

देश दुनिया से

राहुल गांधी के 'मिशन बिहार' को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरों के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सके। लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बैचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजन ने इतनी क्षेत्र से से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेंगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पदों के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूरजों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल

दृष्टि कोण

स्मोकिंग और सांसें – ये रिश्ता क्या कहलाता है

गलत है। इससे फेफड़े खराब होते हैं।। सिगरेट की डिब्बी पर भी लिखा होता है कि ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे कैंसर होने का डर होता है। लेकिन फिर भी स्मोकिंग का चलन कम होने की बजाय, बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा क्यों है ?

हर जगह मौजूद हूं मैं : इसका मुख्य कारण है – स्मोकिंग प्रोडक्ट आसानी से मिलना। 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से इन्हें खरीद सकता है। ये हर किसी के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। और कुछ मिले न मिले, हर गली-नुकड़ की दुकान मिल जाती है, जहां इंसान के फेफड़ों को गलावे का सामान धड़ल्ले से बेचा जाता है। डिटेक्टिव गुरु राहुल राय गुप्ता कहते हैं, “मैंने जबसे होते हैं, तो सांसों की लड़ी भी टूटने लगती है, बिखरने लगती है। इस बात में भी सी प्रतिशत न सच्चाई है कि सन जाते हैं कि स्मोकिंग करना



इंटरव्यू के दौरान, कैडिडेट से पूछा जाता है – कि वो स्मोकिंग तो नहीं करता। मेरे ख्याल है हर ऑफिस में यही नियम होना चाहिए। मेरी कंपनी में ही नहीं, बल्कि मेरे घर में भी कोई स्मोकिंग नहीं कर सकता। मैं अपनी गाड़ी में किसी को स्मोकिंग करने की परमिशन नहीं देता, चाहे वो इन्सान कितना भी खास क्यों न हो। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि, बड़ी-बड़ी कंपनियां अलग से ‘स्मोकिंग जोन’ बनाती हैं, जहां लोग ‘स्मोक ब्रेक’ के लिये जाते हैं। ये एक तरह से उन लोगों के

के थे और वे अपने से लड़ने वालों की बहादुरी नहीं लिख सकते थे। अब इतिहासकार अंग्रेज हमलावरों के थे। शिकारियों के इतिहासकार अब रणजीत सिंह की विरादरी को लेकर सवाल उठा रहे थे। आज जब विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा की सर्वत्र चर्चा हो रही है तो महाराजा रणजीत सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर शिकारियों के इतिहासकारों ने जो धूल फैलाई हुई है, उसको साफ करने का समय आ गया है। लेकिन यह काम तभी संभव है यदि पहले यह पकड़ में आ जाए कि इन शिकारी इतिहासकारों ने यह धूल कहां और कैसी फैलाई है ? इसे समझने के लिए लैपल ग्रिफिन की महाराजा रणजीत सिंह पर लिखी गई यह पुस्तक उपयोगी है। लैपल ग्रिफिन लिखता है, ‘रणजीत सिंह ने जो बोया था, उसी प्रकार की फसल पैदा हुई। उनके पुरखे अंगूर खा गए, लेकिन उनकी संतान के दांत धारहीन निकले। जिस साम्राज्य की स्थापना हिंसा, छल और खून खराबे से हुई थी, वह अपने निर्माता के परलोक गमन के बाद अधिक समय तक टिक नहीं पाया। यह साम्राज्य एक व्यक्ति की सैन्य और प्रशासनिक प्रतिभा के कारण अस्तित्व में आया था, जो उसके बाद धूल की तरह बिखर गया। जब वह आत्मा जिसने इस साम्राज्य को आकार दिया था, चली गई तो खालसा की विरासत अंग्रेजों के पास चली गई। अब अंग्रेज ही इस सत्ता के हकदार बनेंगे, जो केवल न्याय, शक्ति और लाभ के साथ शासन करेंगे। इसी के कारण साम्राज्य स्थायी बनते हैं।’ लैपल ग्रिफिन का यह विश्लेषण महत्वपूर्ण है और ब्रिटेन की साम्राज्यवादी चेतना को अनवरत करता है। रणजीत सिंह किसी व्यक्तिगत साम्राज्य का निर्माण नहीं कर रहे थे, बल्कि वे लगभग सात-आठ सौ साल से जिन एटीएम हमलावरों ने यहां अपना विदेशी साम्राज्य स्थापित कर लिया था, उनसे आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे। इस लड़ाई में 1699 में ‘खालसा की स्थापना’ ने एक महत्वपूर्ण इबारत लिख दी थी। खालसा ने सप्त सिंधु क्षेत्र में यहां की सभी विरादरियों को एक साझे उद्देश्य के लिए एक मंच प्रदान कर दिया था। खालसा के झंडे तले पहली बार सभी विरादरियां मजसल खत्री (खत्री तो इसके संस्थापक ही थे), जाट, रामपूत, ब्राह्मण, वात्सीकि, गुज्जर, बंजारा एकजुट हो गई थीं। जिनको आजकल ओबीसी, एससी या एसटी कहा जाता है, वे सभी अपने पूर्वकाल के शौर्य को याद कर उत्साहित हो गए थे। रणजीत सिंह ने इसी अभियान को आगे बढ़ाया था। साम्राज्य स्थापित कर ली की विस्तारवादी चेतना का शिकार इंग्लैंड था और उसी के कारण वह एशिया और अफ्रीका को लूट रहा था। रणजीत सिंह विदेशी साम्राज्य को समाप्त करने की चेतना से अनुप्राणित साधक था। उसने साम्राज्य नहीं, बल्कि ‘खालसा सरकार’ की स्थापना की थी और खालसा लोकतंत्र की चेतना से संचालित था।

कुछ अलगा

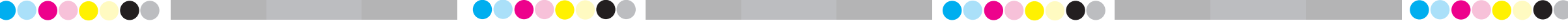
मैं रॉयल्टी नहीं दे पाऊंगा

मेरे एक अंतरंग प्रकाशक मित्र हैं। जब भी मिलते हैं या बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अमुक लेखक रॉयल्टी की मांग कर रहा है या फलां लेखक ने मुझसे दस प्रतिशत रॉयल्टी मांगी। यह कहकर वे इस तरह हंसते हैं, मानो लेखक ने रॉयल्टी मांग कर अपराध कर दिया हो। उनका कहना है कि लेखक अपना पारिश्रमिक लभ-सभ में एकमुश्त ले ले, लेकिन यह रॉयल्टी का लफड़ा माथाफोड़ी का है, अतः मैं इससे बचना चाहता हूं। रॉयल्टी सा’ ब ज्यादा से ज्यादा पाठ्य पुस्तकों की दी जा सकती है। यह जनरल बुक्स में रॉयल्टी का चक्कर बुरा। मैंने अनेक बार तर्क भी दिए कि किताब बिकती है तो रॉयल्टी देने में क्या परेशानी है? उनका जवाब होता है कि साहित्य अब बिकता नहीं है और वे जो बेच रहे हैं, उसके हथकंडे सनसीखेज हैं। लायब्रेरियन कर्मिशन लेते हैं, उसके बाद मार्जिन रहता नहीं है कि लेखक को रॉयल्टी दी जाए। यानी लाभ का उन तक का तो मार्जिन है, लेकिन लेखक की रॉयल्टी गोल हो गई है। गोया पुस्तक व्यवसाय में लाभ का मार्जिन लेखक को रॉयल्टी मारने तक है, आगे हानि ही हानि है। मेरे एक असली साहित्यकार भी मित्र हैं। मैं मानता हूं उन्हें अपना मित्र, पता नहीं वे मानते हैं या नहीं। क्योंकि वे जब आते हैं तो अपने आपको बहुत ही अटपटा-सा महसूस करते हैं कि वे मेरे पास क्यों आए। अब चूँकि काम उनको ही होता है तो उन्हें ही आना पड़ता है। साहित्य की घनघोर घटाओं से आच्छादित रहते हैं, लेकिन अभी जिस दिन वे आए थे, साहित्य का सारा बखेड़ा घर छोड़ आए थे। बहुत ही आत्मीय भाव से बोले- ‘अमां शर्मा जी, यह रॉयल्टी क्या होती है?’ मैं चौंका ऊपर से नीचे तक, मैंने उन्हें देखा और कहा- ‘आपको यह शब्द कहां मिला? आपके शब्दकोश में तो यह था नहीं? यह तो व्यावसायिक लेखकों की लूट में शामिल है। आपका क्या लेना-देना है इस रॉयल्टी से?’ वे बोले- ‘मजाक छोड़ो यार, यह बताओ, यह कैसे मिलती है?’ मैंने कहा- ‘इसका मिलना इतना आसान नहीं है जितना आपने समझा है। पहले तो किताब लिखनी पड़ती है। फिर छपवाने का पापड़ बेलना पड़ता है। इसके बाद किताब बिके तत्पश्चात राजी हो तो वह मु े बांध कर जो दे दे, वही रॉयल्टी मानकर मन को प्रसन्न कर लो।’ वे बोले- ‘नहीं शर्मा जी, सुना है इस प्रतिशत तक रॉयल्टी मिलती बताई।’ मैंने कहा- ‘मुझे तो दस ही प्रतिशत मिलती है, लेकिन आपकी बाजार में क्या पोजीशन है, भूमकर पता कर ले। यदि भाव है तो मिल जाएगी रॉयल्टी। एक बात और, मेरे जो परम प्रिय प्रकाशक मित्र हैं, उनके पास जितना तो आप रॉयल्टी का नाम भी मत लेना। वे रॉयल्टी मांगने वाले से बोलचाल भी नहीं रखते। किसी और को पकड़ना। हो सकता है रॉयल्टी मिल जाए।’ यह कहकर मैं हंसा तो असली साहित्यकार जी के कान खड़े हो गए, वे बोले- ‘आप हंसें क्यों?’ मैं बोला- ‘आपके मुखारविंद से रॉयल्टी शब्द सुनकर मुझे हंसी आ रही है।’

दृष्टि कोण

स्मोकिंग और सांसें – ये रिश्ता क्या कहलाता है

साथ सहानुभूति की तरह लगता है। उनकी जरूरत बना दिया गया है। जिसको पूरा करना कंपनी अपना फर्ज समझती है। हर एयरपोर्ट पर ऐसे ज़ोन बने होते हैं। ऐसे ज़ोन्स की जरूरत ही बताती है कि हम स्मोकिंग को कितना सीरियसली लेते हैं।” बड़ी-बड़ी हस्तियां गुलाम हैं मेरी : स्मोकिंग के बढ़ते चलन का एक और बड़ा कारण है – फिल्म्सों, सीरीज में इसका बहुत ज्यादा प्रयोग। बॉलिवुड की फिल्में हों, या टॉलिवुड की या फिर हॉलिवुड की, हर जगह पात्रों से इतनी ज्यादा स्मोकिंग करवाई जाती है, कि दर्शकों को लगने लगता है कि, स्मोकिंग इन्सान की जिंदगी का एक अभिन्न अंग है। ये कोई खराब बात नहीं है। आपने देखा होगा कि, जैसे ही फिल्म या सीरीज के मुख्य पात्र को कोई टेंशन होती है, तो वो झट से सिगरेट सुलगा लेता है। इससे दर्शकों के मन में ये संदेश जाता है कि,



उन्के गंतव्य तक पहुंचाने में जिम्मेदार बताया।

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बिहार में 'अपराधियों के राज' वाले बयान पर विज ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरजेडी जब सत्ता में थी तब बिहार को सत्यानाश किया।

उन्होंने तेजस्वी के बयान को 'सत्ता से बाहर होने और आने वाले चुनाव में हारने की टीस' बताया।

विज ने दावा किया कि नीतीश कुमार और एनडीए ने बिहार को सुधार दिया है, और वहां का माहौल अब पूर्ण तरह सुरक्षित है। उन्होंने पटना और गया की अपनी यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि आधी रात को भी वहां सुरक्षित का माहौल है, जो नीतीश कुमार का जादू है।

सीएम योगी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित किया

आज आजमगढ़ बना अदम्य साहस का गढ़ : योगी



लखनऊ/आजमगढ़ 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार आजमगढ़ में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का भव्य लोकार्पण किया। राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाने का प्रतीक बना यह लिंक एक्सप्रेस-वे 91.352 किलोमीटर लंबा है जिसे 7,283 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर एक्सप्रेस-वे आम जनता के लिए समर्पित किया और खुद अपने काफिले के साथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए।

इससे पहले आजमगढ़ के सलारपुर, फूलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझता था, लेकिन आज यह अदम्य साहस का गढ़ बन चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे आजमगढ़ के साथ-साथ अंबेडकर नगर, संत कबीर

नगर और गोरखपुर को विश्व-तरीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि आजमगढ़ से गोरखपुर तक यह लिंक एक्सप्रेस-वे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 में केवल दो एक्सप्रेस-वे (यमुना और आगरा-लखनऊ) थे जिसमें आगरा-लखनऊ अधूरा ही था जिसे डबल इंजन की सरकार ने पूरा किया, लेकिन अब 340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, 300 किलोमीटर का बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और 91 किलोमीटर का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे चालू हो चुके हैं। इसके अलावा, गंगा एक्सप्रेस-वे (600 किलोमीटर), लखनऊ-कानपुर, बलिया लिंक सहित छह एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे ने 3 घंटे की दूरी को 40-45 मिनट में सिमटने का गौरव हासिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री करेंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत होगा कि उत्तर प्रदेश को समृद्ध होने से

आजमगढ़ से गोरखपुर तक 91.352 किमी लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे चालू

कोई रोक नहीं सकेगा। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत एक विकसित भारत होगा उसे विकसित भारत के लिए विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के दिशा में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों का एक प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से अब एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले सड़कों का हाल ऐसा था कि गड्ढे में सड़क थी या सड़क में गड्ढा, पता ही नहीं चलता था। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास तो हो गया था, लेकिन जमीन तक नहीं खरीदी गई थी। 15,200 करोड़ में 110 मीटर चौड़ा एक्सप्रेस-वे बनाना चाहते थे, हमने उसे 120 मीटर चौड़ा करके 11,800 करोड़ में बनवाया। बचे हुए पैसों की डकैती किसकी होती, जनता समझती है।

सीएम योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारें विकास की

बजाय डी-कंपनी और दाऊद गिरोह के साथ साझेदारी करती थीं, सुरक्षा में सेंध लगाती थीं और आजमगढ़ को आतंक का गढ़ बना दिया था। 2007-08 में शिवली नेशनल कॉलेज में अजीत राय की हत्या बंदे मातरम गाने की वकालत के लिए हुई थी, लेकिन अब ऐसा दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। आज कोई प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करता है तो उसके लिए यमराज का टिकट पहले से कट जाता है।

सीएम योगी ने कहा कि अब देश और प्रदेश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक इसके उदाहरण हैं। जो सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसे यमराज का टिकट मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ प्रयागराज, अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान रामलाल के भव्य मंदिर का निर्माण होना काशी में काशी विश्वनाथ धाम का होना मां विंध्यवासिनी धाम का विकसित होना यह सभी आज एक नई पहचान दिला रहे हैं।

मथुरा-वृंदावन में भी हमारा कार्य प्रारंभ हो चुका है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज संस्कृति की पहचान को मजबूत कर रहे हैं।

सीएम ने 60,244 पुलिस भर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना सिफारिश या पैसे के हर जाति-संप्रदाय के युवा, जिसमें 12,045 बेटियां शामिल हैं, नौकरी पा रहे हैं। 2017 से पहले चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकलते थे, लेकिन अब सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। उन्होंने एक्सप्रेस-वे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की बात कही, ताकि नौजवानों को स्थानीय रोजगार मिले और उन्हें देश-दुनिया में सम्मान मिले।

सीएम योगी ने कहा कि पहचान के संकट से जूझ रहे आजमगढ़ ने दो-दो मुख्यमंत्री दिए, लेकिन उसे पहचान नहीं मिल सकी। आज डबल इंजन की सरकार की वजह से आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुका है। यह लिंक एक्सप्रेस-वे न सिर्फ आजमगढ़ को गोरखपुर से जोड़ेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल को एक नई गति देगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ के नाम से लोग डरते थे। 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने

आजमगढ़ की साड़ी, ब्लैक पांटी और हरिहरपुर के संगीत घराने को नई पहचान दिया। पहले इनकी अनदेखी हुई, लेकिन अब निरहुआ (दिनेश लाल यादव) और नीलम सोनकर जब सांसद हुए तो जिले

में विकास ने रफ्तार पकड़ी। औद्योगिक विकास की बात करते हुए सीएम ने कहा कि एक्सप्रेस-वे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित हो रहे हैं, जिससे युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। अब नौजवानों

को पहचान का संकट नहीं झेलना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में 16 एयरपोर्ट, जिसमें चार अंतरराष्ट्रीय और फोरलेन कनेक्टिविटी है जिसने उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

यूपी का सातवां संचालित एक्सप्रेस-वे बना गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

गोरखपुर, 20 जून (एजेंसियां)।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पित हुआ गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश का सातवां संचालित एक्सप्रेस-वे बना। इन सात में से पांच का निर्माण योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद बीते आठ साल में हुआ है। वर्तमान में तीन एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन हैं जबकि आठ नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण होना प्रस्तावित है।

योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की पहचान एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में भी सुदृढ़ हो रही है। 2017 के पहले तक यूपी में सिर्फ दो एक्सप्रेस-वे संचालित थे। जबकि योगी सरकार ने अपने अब तक के आठ साल में पांच नए एक्सप्रेस-वे संचालन योग्य बना दिए हैं। संचालन के लिए लोकार्पित होने वाले एक्सप्रेस-वे की सूची में नया जुड़ा नाम गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का है। यूपी देश में सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे वाला राज्य बन चुका है। ये एक्सप्रेस-वे प्रदेश के विकास को रफ्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कठिन माने जा रहे क्षेत्र में बने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे को सीएम योगी के दृढ़ संकल्प का एक्सप्रेस भी कहा जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की

भी सौगात लाया। शानदार रोड कनेक्टिविटी मिलना सुनिश्चित होने से लिंक एक्सप्रेस-वे का किनारा निवेशकों की खास पसंद बन गया। एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण होने के पहले ही यहां चार इंडस्ट्रियल यूनिट्स में उत्पादन हो रहा है। जबकि कुछ बड़ी यूनिट्स की स्थापना के लिए भूमि आवंटन हो चुका है और कई को जल्द उनकी मांग के अनुसार जमीन उपलब्ध हो जाएगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) ने अपने महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेक्टर विकसित किए हैं। लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे ही गीडा ने 88 एकड़ क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश का पहला प्लास्टिक पार्क बनाया है। इसमें प्लास्टिक उत्पाद की 92 इकाइयां हेतु विभिन्न क्षेत्रफल के आवंटन हेतु उपलब्ध भूखंडों में से करीब पांच दर्जन भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। प्लास्टिक पार्क में कुछ यूनिट्स में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसमें 96 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली प्लास्टिक पैकेजिंग की प्रमुख कंपनी टेक्नोप्लास्ट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, 17 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली ओम प्लैक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और 7 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली गजानन पॉलीप्लास्ट शामिल हैं।

सीएम योगी ने पीडब्लूडी के कामकाज की समीक्षा की

75 जिलों से मांगा गया कामकाज का ब्यौरा



लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी रणनीति के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ राज्य के समस्त जिलाधिकारी, विभिन्न विधानसभा के जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लोक

निर्माण विभाग की प्रमुख 18 योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जिलों से 30 जून तक प्रस्ताव अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाना चाहिए। सीएम ने जिलाधिकारियों से कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर तय समयसीमा के भीतर भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का लाभ राजनीतिक क्षेत्रफल नहीं, बल्कि स्थानीय आवश्यकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने समावेशी विकास की संकल्पना को केंद्र में रखते हुए निर्देशित किया कि सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों को कम से कम 2-3 योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अवश्य मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों का भूमि पूजन अथवा शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाए, ताकि विकास में जनभागीदारी की भावना सशक्त हो।

मुख्यमंत्री ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि हर वर्ष प्रदेश के टॉप-50 धार्मिक स्थलों का चयन उसकी ऐतिहासिकता, महत्व एवं श्रद्धालुओं की संख्या के आधार पर किया जाए और इन स्थलों को जोड़ने वाले मार्गों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी न केवल सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध करती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहित करती है।

प्रदेश के 10 अंचलों में 237 सेतुओं का निर्माण कर रही यूपी सरकार

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए प्रदेश के 10 अंचलों में 237 सेतुओं के निर्माण पर सरकार फोकस कर रही है। सीएम योगी के निर्देश पर लोकनिर्माण विभाग द्वारा 116 नदी सेतु, 96 रेल ओवर ब्रिज, 12 फ्लाईओवर समेत 13 अन्य कार्यों को पूरा करने का खाका तैयार किया है। उल्लेखनीय है कि इन कार्यों को उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा को पूरा किया जा रहा है और इस पर 16,967 करोड़ रुपए का खर्च आएगा और इससे यातायात प्रबंधन में मदद मिलेगी।

जिन अंचलों में सेतु निर्माण के इन कार्यों को पूरा किया जा रहा है उनमें आगरा, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज व वाराणसी प्रमुख हैं। बड़ी बात यह है कि 237 में से 61 परियोजनाओं पर 75 से 99 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि 60 सेतुओं के

निर्माण का कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 33 सेतुओं का निर्माण कार्य 26 से 50 प्रतिशत के बीच पूरा किया जा चुका है।

लोकनिर्माण विभाग द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार, प्रदेश में सेतु निर्माण के जिन कार्यों को पूरा करने के लिए वरीयता के आधार पर काम हो रहा है उसमें 116 नदी सेतु प्रमुख हैं। इनका निर्माण 6123 करोड़ रुपए से अधिक लागत से किया जा रहा है तथा 26 सेतुओं का निर्माण 76 से 99 प्रतिशत तक, 28 सेतुओं का निर्माण 51 से 75 प्रतिशत तथा 18 सेतुओं का निर्माण 26 से 50 प्रतिशत तक हो चुका है। इसी प्रकार, 96 रेल उपरगामी सेतुओं का निर्माण 7557 करोड़ रुपए की अधिक लागत से किया जा रहा है। इसमें 33 कार्य 76 से 99 प्रतिशत तक, 27 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तक तथा 9 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इसी



प्रकार, 12 फ्लाईओवर निर्माण के कार्य लगभग 1540 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण किए जा रहे हैं। इनमें एक कार्य 76 से 99 प्रतिशत तक, 2 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तक तथा 2 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं। 13 अन्य निक्षेप कार्यों का भी 1745 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जा रहा है।

प्रदेश में सेतु निर्माण के जिन कार्यों को पूरा करने की कार्ययोजना लोकनिर्माण विभाग ने तैयार की है उसमें सर्वाधिक 47 कार्य लखनऊ में प्रस्तावित हैं। इन पर 3427 करोड़ रुपए का खर्च आएगा तथा 8 कार्य 76 से 99 प्रतिशत, 14 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 8

कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर में 38 सेतुओं का निर्माण 2626 करोड़ की लागत से किया जा रहा है जिसमें से 11 कार्य 76 से 99 प्रतिशत, 10 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 5 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर में 26 तथा अयोध्या में भी 26 कार्यों को पूरा करने की तैयारी है जिसमें क्रमशः 1885 करोड़ तथा 1392 करोड़ रुपए का खर्च होगा। इन दोनों ही अंचलों में 9-9 कार्यों के पूर्ति की वर्तमान स्थिति 76 से 99 प्रतिशत के बीच है। वहीं, आगरा में 23 कार्यों को 1360 करोड़, गोरखपुर में 24 कार्यों को 2191 करोड़, वाराणसी में 22 कार्यों को 1278 करोड़, बरेली में 13 कार्यों को 609 करोड़, प्रयागराज में 10 कार्यों को 890 करोड़ तथा आजमगढ़ अंचल में 8 कार्यों को 1301 करोड़ रुपए के लागत से पूरा करने की तैयारी है।

यूपी में तबादलों में भी भ्रष्टाचार: आईजी स्टॉप हटाए गए

210 ट्रांसफर निरस्त हुए, पैसे के लेनदेन की शिकायत थी

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टॉप एवं पंजीयन विभाग में तबादलों में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक आईजी स्टॉप समीर वर्मा को हटा दिया है और सभी तबादले निरस्त कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टॉप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टॉप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं। वहीं, स्टॉप और परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव अमित गुप्ता को आईजी स्टॉप का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तबादला सीजन में शासन स्तर से 4 उप महानिरीक्षक और 18 सहायक महानिरीक्षकों का तबादला किया गया था। वहीं आईजी स्टॉप ने मंत्री से चर्चा किए बिना ही 58 उप निबंधकों के अलावा 114 लिपिकों, 8 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अलावा 30 नए कर्मचारियों का तबादला कर दिया। रवींद्र जायसवाल ने पत्र में समीर वर्मा पर खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें समूह ख एवं ग श्रेणी के 210 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी।

आईजी ने तमाम भ्रष्ट और जांच से घिरे अधिकारियों को बड़े बड़े जिलों में तैनाती दे दी है। इसके लिए लाखों रुपए के लेनदेन की जानकारी मिली थी। मंत्री ने तबादले में आईजी स्टॉप की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है।

जायसवाल ने पत्र में यह भी लिखा है कि आईजी ने सभी तबादले 13 जून को ही कर दिए थे और खानापूर्ति के लिए 15 जून को मेरे सामने तबादलों की सूची रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि आईजी द्वारा महत्वपूर्ण कार्यालयों में प्रभारी उप निबंधकों और लिपिक से प्रोन्नत उप निबंधकों को मानक के विपरीत तैनात कर दिया है। मंत्री ने लिखा है कि बार-बार मांगने के बाद भी आईजी ने उप निबंधकों की तैनाती का प्रस्ताव उपलब्ध नहीं कराया। स्टॉप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि आईजी स्तर पर हुए तबादलों में सर्वाधिक गड़बड़ी सामने आई है। मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर स्थानांतरण का आदेश दिया है। लेकिन, बाबुओं और सब रजिस्ट्रार का जो तबादला हुआ, उसके लिए कोई सहमति नहीं ली गई। सूची आने पर सामने आया कि तबादलों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक इंटर पास बाबू को रजिस्ट्रार बना दिया। इन सभी शिकायतों का मुख्यमंत्री ने सज्जन लेकर तबादलों पर रोक लगाने के साथ जांच करने का आदेश दिया है।

संभल, 20 जून (एजेंसियां)।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है।

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल का मुख्य साजिशकर्ता तो पुलिस ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को माना है। चार्जशीट में इसका उल्लेख भी किया गया है। इसके अलावा सांसद के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। यह सभी खुलासे रिजवान की

सीडीआर सामने आने के बाद हुए थे।

पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है। पुलिस ने आगे की छानबीन की तो भीड़ एकत्र करने की पुष्टि हुई। जिन लोगों से फोन पर बातचीत हुई थी। उनकी भूमिका की जांच करने पर वह भी बवाल की साजिश में शामिल पाए गए। इन सभी 23 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी है। इसमें कुछ गिरफ्तार किए गए हैं। जबकि कुछ को धारा 35 (3) का नोटिस दिया गया है।

चार्जशीट के अनुसार 24 नवंबर की सुबह सर्वे होगा। इसकी जानकारी जब जामा मस्जिद कमेटी के सदर को हुई तो उन्होंने 23 नवंबर की देर रात में ही सबसे पहले अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। यह सभी खुलासे रिजवान की

सर्वे को रोकने के लिए बड़ी तादाद में भीड़

एकत्र हुई और बवाल किया। जफर अली पर आरोप है कि उन्होंने पूरी साजिश को सांसद के साथ मिलकर रचा और बवाल के बाद प्रेसवार्ता कर झूठे बयान दिए। जो गंभीर अपराध के संबंध में दिए गए थे। अलग-अलग दौर की पूछताछ में वह कोई साक्ष्य नहीं दे सके और उन्होंने कबूल किया कि सांसद ने ही भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसके बाद ही भीड़ एकत्र हुई। जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद हैं।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क, जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट, आसिफ, दानिश, मुजम्मिल, सुभान, जमशेद आलम, रफीक अली, आसिम, अब्दुल रहमान, रिजवान, हाजी राशिद, लड्डन खां, मुमताज, इतरत हसन, मताहिर हसन, अब्दुल माबूद खान, मोहसिन, आरिश, गिलमान, जाहिद अली, अलतमश, मुजम्मिल खान। 24 नवंबर को हुए बवाल में एसआईटी ने जांच शुरू की तो साक्ष्य एकत्र करने के साथ बयान भी दर्ज किए।

एसआईटी ने इस मुकदमे में 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। यह वह लोग हैं जो बवाल के दौरान मौके पर मौजूद थे। इसमें पुलिस के साथ अविद्यता भी शामिल हैं। जिन्होंने पूरे बवाल को देखा था। इन गवाहों के बयान भी अहम साबित होंगे। 1100 पत्रों की चार्जशीट एसआईटी ने दाखिल की है।

जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट तो 23 मार्च से जेल में बंद है। उन पर बवाल की साजिश करने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने जैसे गंभीर आरोप हैं। इसके अलावा चार्जशीट में पांच और पदाधिकारी आरोपी बनाए गए हैं। इनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस ने धारा 35 (3) का नोटिस तामील कराया है तथा 35 अधिकार इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल पर 24 नवंबर 24 को बवाल में भीड़ को उकसाने का आरोप लगा था। सांसद के साथ सुहेल इकबाल को नामदद करते हुए 700-800 अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। इसमें 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो गई है।

राष्ट्रपति भवन में एक ऐसा कैफे है जिसे दिव्यांगजन चलाते हैं : मुर्मू

देहरादून, 20 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उत्तराखंड के देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईबीएच) में दृष्टिबाधित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि राष्ट्रपति भवन परिसर में एक ऐसा कैफे है जिसे दिव्यांग लोग चलाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, सरकार का यह प्रयास रहा है कि दिव्यांगजनों की पहुँच सरकारी भवनों, संस्थानों आदि में सुगम्य बनाई जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन द्वारा भी दिव्यांगजनों के हित में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा, दृष्टिबाधित लोगों को शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज को उनके प्रति जागरूक बनाने में योगदान के लिए मैं इस संस्थान



से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूँ। किसी देश या समाज की प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगजनों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। भारत का इतिहास

संवेदनशीलता एवं समावेशिता के प्रेरक प्रसंगों से भरा पड़ा है। हमारी संस्कृति और सभ्यता में मानवीय कर्णना एवं प्रेम के तत्त्व हमेशा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में दिव्यांग

बच्चों को अन्य बच्चों के समान अच्छी शिक्षा के अवसर प्रदान करने का प्रावधान है। सुगम्य भारत अभियान के माध्यम से सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और समान भागीदारी के लिए प्रयत्नशील है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान सुगम्य भौतिक वातावरण, परिवहन, सूचना एवं संचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर बल देता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष मार्च महीने में दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का उत्सव मनाने के लिए राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में पर्पल फेस्ट का आयोजन किया गया था। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि उसका उद्देश्य विभिन्न विकलांगताओं और लोगों के जीवन पर पड़ने वाले उनके प्रभाव के बारे में जागरूक करना था। साथ ही, दिव्यांगजनों को समझने, उन्हें स्वीकार करने तथा समाज में समावेश को बढ़ावा देना भी था। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दिव्यांगजनों को जीवन के हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के प्रयास समाज द्वारा अवश्य किए जाने चाहिए।

कर्नाटक में लगातार स्कूल छोड़ रहे छात्र कांग्रेस सरकार में बढ़ा ड्रॉपआउट रेट



बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में माध्यमिक स्तर पर शिक्षा को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। प्रदेश में माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या 14.1 प्रतिशत से बढ़कर 22.2 प्रतिशत हो गई है। यानी 8.1 प्रतिशत बढ़ गई है। राज्य में 9वीं और 10वीं कक्षा में ही छात्र स्कूल से ड्रॉपआउट कर रहे हैं। इस पर केंद्र सरकार ने राज्य से गंभीर होने का आग्रह किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक

में माध्यमिक स्तर पर ही पढ़ाई छोड़ने वाले छात्र-छात्राओं की दर 22.2 प्रतिशत हो गई है। साल 2023-24 के आंकड़ों के मुताबिक, कर्नाटक में कक्षा 9वीं और 10वीं में ही विद्यार्थी स्कूल छोड़ रहे हैं।

इस सूची में मध्य प्रदेश, झारखंड, त्रिपुरा, पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्य भी शामिल हैं। इस मामले में दक्षिण भारत में कर्नाटक बदतर स्थिति में हैं। आंकड़ों में स्कूल छोड़ने वाले

विद्यार्थी केरल में 3.41 प्रतिशत, तमिलनाडु में 7.68 प्रतिशत, तेलंगाना में 11.43 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश 12.48 प्रतिशत हैं। दूसरी तरफ बिहार और असम में स्कूल छोड़ने वालों की दर में भी वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट के बाद अब शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से स्कूल छोड़ने वाले छात्र-छात्राओं की पहचान करने के लिए कहा है। इसके बाद उन सभी छात्रों का वापस नामांकन कराया जाएगा। इसके लिए घर-घर सर्वेक्षण होगा।

हरिद्वार में फिर सील हुए चार अवैध मदरसे

जिले में अब तक 85 पर हुआ एक्शन

हरिद्वार, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला प्रशासन ने एक बार फिर से अवैध मदरसों को सील किए जाने का अभियान तेज किया है। आज चार अवैध मदरसे सील किए गए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा गठित टीम ने जिला हरिद्वार में



अवैध रूप से चल रहे मदरसों को सील किए जाने का कार्य पुनः शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने पहलगाम घटना के बाद उक्त

अभियान पर ब्रेक लगाया था। आज चार अवैध मदरसे सील किए जाने की पुष्टि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने करते हुए बताया कि अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि अवैध मदरसे सील किए जाएंगे और जो वैध मदरसे चल रहे हैं उनके यहां भी सर्वे कराया जाएगा कि वो बच्चों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि मदरसों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाना अनिवार्य है और प्रशासन इसकी समीक्षा करेगा। जानकारी के मुताबिक हरिद्वार जिले में अब तक 85 अवैध मदरसे सील किए जा चुके हैं।

पांच करोड़ के ड्रग्स के साथ पकड़ी गई नाइजीरियाई महिला

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली से मुंबई जा रही एक बस में यात्रा कर रही एक नाइजीरियाई महिला से करीब पांच करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसे कालाबाजारी के जरिए ही बेचा जा खरीदा जा सकता है। महिला को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 से जुड़े प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।



रआई अधिकारियों ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार की सुबह महिला को पकड़ने से पहले मुंबई के पास करीब 50 किलोमीटर तक दिल्ली से आ रही बस का पीछा किया। उन्होंने बताया कि देश की प्रमुख तस्करी रोधी इकाई की टीम ने 2.56 किलोग्राम मेथमफेटामाइन और 584 ग्राम एक्स्टसी की गोलिएं बरामद कीं, जिनकी कुल कीमत करीब पांच करोड़ रुपए है। मेथमफेटामाइन और

एक्स्टसी अपने उत्तेजक प्रभावों के कारण रेव पार्टियों में लोकप्रिय हैं। नाइजीरियाई नागरिक को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच चल रही है। इससे पहले डीआरआई ने अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान 1.4 करोड़ की पीली धातु जब्त की गई थी और दो लोगों

को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने 15 जून को बताया था कि डीआरआई ने सोने की तस्करी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड और एयर इंडिया के एक चालक दल के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1.41 करोड़ रुपए की कीमती धातु जब्त की गई है। उन्होंने बताया था कि डीआरआई ने एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-116 के एक पुरुष चालक दल के सदस्य को रोका, जो शुक्रवार को न्यूयॉर्क से मुंबई पहुंचा था। चालक दल के सदस्य की शुरुआती तलाशी में कोई बरामदगी नहीं हुई। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने विदेशी मूल के सोने की छड़ों से भरी थैली को काले डकट टेप में लपेटकर बैगेज सर्विस एरिया के पास छिपा दिया था। उड़ान के बाद चालक

दल के सदस्यों के लिए ब्रेथलाइजर टेस्ट के दौरान बैगेज सर्विस एरिया के पास उसने यह थैली छिपाई थी।

उन्होंने बताया था कि थैली को बरामद कर लिया गया और उसमें 1,373 ग्राम बज्जी विदेशी मूल के सोने की छड़ें बरामद की गईं। अधिकारी ने बताया था कि आरोपी चालक दल के सदस्य ने अपने बयान में पहले भी भारत में सोने की तस्करी करने की बात स्वीकार की है। इसके बाद की कार्रवाई में गिरोह के मास्टरमाइंड को भी पकड़ा गया। वह चालक दल के सदस्यों को भारत में सोने की तस्करी करने के लिए चुनता था। मास्टरमाइंड ने भी सोने की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। दोनों आरोपियों को सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द. म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. : 21-2025 दि. 18-06-2025

कुले एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिजीनल इंजीनियर/को-ऑर्डिनेशन/मुंडकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।
बन्द होने की तिथि एवं समय : 15-07-2025 को 15.00 बजे।

क्र.सं. : 01. निविदा सं. : इंजी-जीटीएल - सेन्ट्रल-1870, कार्य का विवरण : मुंडकल डिजीनल : आरयू-जीटीएल, जीटीएल-बाड़ी, बीएवाई- जीटीएल, केएलयू- जीटीएल, एनडीएल-डीएलएनई- पीटीटीवाई- जीटीएल, जीवाई- पीटीटीवाई एवं एनडीएल-वाईई-सेक्शन : सीनियर डीईएन/सेन्ट्रल/ जीटीएल एवं डीईएन/नार्थ/ जीटीएल अधिकार क्षेत्र में 5 वर्ष के लिए एजेंसी (आरडीएसओ अनुमोदित उद्यम ही) द्वारा कर्ब पर ट्रैक माउटेड ऑटोमेटिक गेज फेस लुब्रिकेटर्स की आपूर्ति, संस्थापना, चालू करना एवं रखरखाव (इलेक्ट्रॉनिक टाइप) - 226 नग (सीनियर डीईएन/सेन्ट्रल सेक्शन में 113 नग एवं डीईएन/नार्थ सेक्शन में 113 नग) (दो पैकेट) अनुमानित मूल्य : ₹. 29,56,57,358.4, पूर्व धरोहर राशि : ₹. 16,28,300.00.

क्र.सं. : 02. निविदा सं. : इंजी-जीटीएल - वेस्ट-1871, कार्य का विवरण : मुंडकल डिजीनल : केपीडी-पीएके- टीपीटीवाई, डीएमएम-पीएके, डीएमएम-केएलयू- जीवाई, जीटीआर- आरयू- टीपीटीवाई आरयू-जीवाई एवं एनडीएल-वाई-सेक्शन : सीनियर डीईएन/साउथ/जीटीएल एवं डीईएन/वेस्ट/जीटीएल अधिकार क्षेत्र में 5 वर्ष के लिए एजेंसी (आरडीएसओ अनुमोदित उद्यम ही) द्वारा कर्ब पर ट्रैक माउटेड ऑटोमेटिक गेज फेस लुब्रिकेटर्स की आपूर्ति, संस्थापना, चालू करना एवं रखरखाव (इलेक्ट्रॉनिक टाइप) - 242 नग (सीनियर डीईएन/साउथ सेक्शन में 71 नग एवं डीईएन/वेस्ट/ सेक्शन में 171 नग) (दो पैकेट) अनुमानित मूल्य : ₹. 31,65,88,852.8, पूर्व धरोहर राशि : ₹. 17,33,000.00.

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।
डिजीनल रेलवे मैनेजर/कांटी, मुंडकल

निविदा सूचना सं. : एम 232-बीटीसी-09 दि. 18-06-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिटी चीफ मेकानिकल इंजीनियर / आरवाईपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगन वर्कशॉप, गुन्पुल्लली - 521241 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा सं. : एम 232-बीटीसी-09-दिनांक : 18-06-2025 विवरण : 06 महीने की अवधि के लिए वैगन वर्कशॉप, गुन्पुल्लली, दक्षिण मध्य रेलवे पर 'बैसिक ट्रेनिंग सेंटर के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का प्रावधान।' **निविदा मूल्य :** ₹. 38,44,927.73 (केवल अड़तीस लाख चवालीस हजार नौ सौ सत्ताइस रुपये तिहतर पैसे) **जमा की जाने वाली पूर्व धरोहर राशि :** ₹. 76,900/- (केवल छहत्तर हजार नौ सौ), **पूरा करने की अवधि :** 06 माह. **निविदा दस्तावेज का मूल्य :** नगण्य, **प्रस्ताव की वैधता :** ई-निविदा को खोलने की तिथि से 60 दिन, **निविदा का प्रकार :** आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित निविदा कार्य। **निविदाकरण की प्रणाली :** सार्वजनिक निविदा - एकल पैकेट, **बोली बंद होने की तिथि व समय :** 11-07-2025 को 15.00 बजे। **निविदा दस्तावेज एवं शर्द्धिपत्र : वेबसाइट <http://www.ireps.gov.in> देखें। पत्राचार के लिए डाक पता :** मुख्य वर्कशॉप प्रबंधक, वैगन वर्कशॉप, गुन्पुल्लली - 521241.

डिटी चीफ मेकानिकल इंजीनियर, डब्ल्यूडब्ल्यूएस, गुन्पुल्लली

निविदा सं. एन-सजी-36-2025-26-डीएल-10 दिनांक : 18-06-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीनियर डीजीनल एवं दूरसंचार अभियंता, नॉर्देड डिजीनल, दक्षिण मध्य रेलवे, नॉर्देड द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाकरण के माध्यम से **11-07-2025 को 15.00 बजे** तक सार्वजनिक निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : एन-एसजी-36-2025-26-डीएल-10, कार्य का नाम : नॉर्देड डिजीनल पर अत्यधिक पुराने डाटा लांगर एवं फेलियोर एनलाइसिस सिस्टम का प्रतिस्थापन। **अनुमानित मूल्य :** ₹. 4,86,64,029/-, **बोली सुरक्षा जमा राशि :** ₹. 3,83,300/-, **पूरा करने की अवधि :** 06 महीने, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** ₹. कुछ नहीं,

उपरोक्त कथित निविदा 11-07-2025 को 15.00 बजे बंद होगी।

सीनियर डिजीनल सिग्नल एण्ड टेलीकाम इंजीनियर, नॉर्देड

निविदा सं. वाई/एसजी/36/2025-26/10 एवं 11 दिनांक : 19-06-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीनियर डिजीनल एवं टेलीकॉम इंजीनियर, हैदराबाद डिजीनल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-अधिप्रापण के माध्यम से **21-07-2025 को 11-30 बजे** तक सार्वजनिक निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : वाई/एसजी/36/2025-26/10, कार्य का नाम : दो वर्ष की अवधि के लिए हैदराबाद डिजीनल पर एनबीएल मेक 48 इंटीग्रेटेड पावर स्पलाई (आईपीएस) सिस्टम का वार्षिक रखरखाव ठेका। **अनुमानित मूल्य :** ₹. 1,52,64,000/-, **पूरा करने की अवधि :** ₹. 2,26,300/-

क्र.सं. 02. निविदा सं. : वाई/एसजी/36/2025-26/11, कार्य का नाम : दो वर्ष की अवधि के लिए हैदराबाद डिजीनल पर अमराजा निर्मित 22 नई एवं 01 मिनी इंटीग्रेटेड पावर स्पलाई (आईपीएस) के लिए वार्षिक रखरखाव ठेका। **अनुमानित मूल्य :** ₹. 51,18,300/-, **पूरा करने की अवधि :** ₹. 1,02,400/-

सीनियर डिजीनल सिग्नल एवं टेलीकाम इंजीनियर/हैदराबाद

निविदा सूचना सं. 61 से 62. डीआरएम डब्ल्यू एचवाईबी-25 दिनांक : 18-06-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिजीनल रेलवे मैनेजर/कार्य, हैदराबाद डिजीनल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 10-07-2025 को 15.00 बजे तक ई-अधिप्रापण के माध्यम से सार्वजनिक निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : 61. डीआरएम डब्ल्यू एचवाईबी-25, कार्य का नाम : एससी-एमएई सेक्शन (डीईएन/उत्तर/एचवाईबी) - एडोईएन/एमईडी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एमजेएन-एमएलवाई स्टेशनों के बीच विभिन्न स्थानों पर स्टोन मेसरीन ओवरहेड बाउंड वायर फेंसिंग का उपयोग करते हुए बाउंडरी वाल का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** ₹. 3,13,62,119/-, **पूरा करने की अवधि :** ₹. 3,06,800/-

निविदा सं. : 62. डीआरएम डब्ल्यू एचवाईबी-25, कार्य का नाम : कैरेज वर्कशॉप/एलजीडी पर 17.50 X 16 एम तक सिंग शॉट शॉड का विस्तार। **अनुमानित मूल्य :** ₹. 1,14,96,867/-, **पूरा करने की अवधि :** ₹. 2,07,600/-

A0912 सीनियर डीईएन/कोआर्डिनेटर/हैदराबाद

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.ireps.gov.in> देखें या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाने, सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच को तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा।

श्रीमती सीतारमण ने यहां सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और महानिदेशकों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये ये बातें कही। इस दौरान पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने, रिफंड, रिटर्न की जांच, जीएसटी ऑडिट, जांच, आयात और निर्यात

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाने, सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच को तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा।

श्रीमती सीतारमण ने यहां सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और महानिदेशकों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये ये बातें कही। इस दौरान पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने, रिफंड, रिटर्न की जांच, जीएसटी ऑडिट, जांच, आयात और निर्यात

आरटीआई से हुआ अहम खुलासा

रेप की 43 प्रतिशत एफआईआर झूठी

200 मामलों में सबूत नहीं, 96 महिलाओं पर कार्रवाई

गुरुग्राम, 20 जून (एजेंसियां)। गुरुग्राम में दुष्कर्म के मामलों को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि पिछले पांच वर्षों में दर्ज कराए गए दुष्कर्म के 43.6 प्रतिशत मामले झूठे हैं। जिसके बाद पुलिस ने झूठा मामला दर्ज कराने वाली कई महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई भी की है। यह खुलासा एक आरटीआई के तहत हुआ है। जांच में सामने आया है कि 1 जनवरी 2020 से 18 दिसंबर 2024 तक गुरुग्राम में दुष्कर्म के कुल 955 मामले कराए गए। इनमें से 417 मामले ऐसे थे,

जहां शादी का झांसा देकर रेप करने की शिकायत की गई थी।आरटीआई एक्विविस्ट दीपिका नारायण भारद्वाज ने बताया कि जांच में पता चला है कि अधिकतर मामलों में अपनी मर्जी से शारीरिक संबंध बनाने के बाद भी शादी ना होने पर लड़कियों ने लड़कों पर रेप के झूठे आरोप लगाए हैं। गुरुग्राम पुलिस के पास दर्ज 236 एफआईआर में पुलिस को शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों का कोई भी सबूत नहीं मिला, इसलिए ये मामले रद्द कर दिए गए।

सच्चाई सामने आने के बाद 96 मामलों में झूठा केस दर्ज कराने वाली महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन्हें छह महीने की जेल की सजा दी गई है और जुर्माना भी लगाया गया है।



त्रिनबागो नाइट राइडर्स के नए हेड कोच बने ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां) ।

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने चेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। वह फ़िल सिमंस की जगह लेंगे, जो इस समय बांग्लादेश की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं।

ब्रावो ने इस जिम्मेदारी को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा, टीकेआर जैसी टीम का हेड कोच बनने का मौका मिलना मेरे लिए एक सम्मान की बात है ।

यह टीम मेरे दिल के बहुत करीब है । मैं कोच फिल सिमंस को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूँ और अब इस नई चुनौती को लेकर मैं और मेरी टीम पूरी तरह तैयार हैं ।

ड्वेन ब्रावो ने 2013 से 2024 के बीच सीपीएल में 107 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 129 विकेट चटकाए और उनका इकॉनमी रेट 8.74 रहा । वह टीकेआर के लिए 11 में से 9

सीजन में खेले और टीम को पांच बार खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई ।2021 में उन्होंने सेंट कित्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को चैंपियन बनाया था । ब्रावो का कोचिंग सफर हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़ा है । 2024 में वह आईएलटी20 में अब् धाबी नाइट राइडर्स के हेड कोच बने, जो कि नाइट राइडर्स ग्रुप की ही टीम है ।

आईपीएल 2025 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मेंटर की भूमिका निभाई थी, जबकि 2023 और 2024 में वह चेन्नई

सुपर किंग्स के लिए बॉलिंग कंसल्टेंट भी रहे ।

2024 टी20 वर्ल्ड कप में ब्रावो अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजी सलाहकार थे, जिसने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां टीम को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा ।

इस साल सीपीएल का 13वां संस्करण 14 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खेला जाएगा । पिछली बार टीकेआर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन एलिमिनेटर मुकाबले में बारबाडोस रॉयल्स से हारकर बाहर हो गई थी ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस बार...

बिहारी मुसलमानों की बस्तियां जेहादी विचारधारा और भारत विरोधी उग्रवाद का प्रजनन स्थल बन गई हैं। आईएसआई के मार्गदर्शन में चुने गए बिहारियों को 2022 की शुरुआत से पाकिस्तान भेजा गया, जहां उन्हें विस्फोटकों से निपटने, गुरिल्ला युद्ध करने और कट्टरपंथी इस्लामवादी विचारधारा फैलाने का प्रशिक्षण दिया गया। उनके लौटने पर, आईएसआई समर्थित गुर्गों ने शिविरों के भीतर भोजन और सहायता वितरित करना शुरू कर दिया, जिससे निर्भरता और निष्ठा पैदा हुई। स्थानीय केबल नेटवर्क के माध्यम से उर्दू भाषा की डॉक्यूमेंट्री प्रसारित की गई, जिसमें भारत में मुस्लिम उत्पीड़न के बारे में फर्जी कहानियां चलाई गईं और जेहाद का महिमामंडन किया गया। इस प्रचार अभियान ने पुरानी दुश्मनी को फिर से भड़का दिया और सांप्रदायिक विभाजन को काफी गहरा कर दिया।खुफिया रिपोर्टें बताती हैं कि अब तक 50 हजार से अधिक बिहारी मुसलमानों ने क्रमशः पाकिस्तान से अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। इन्होंने पाकिस्तान प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों ने आग्नेयास्त्रों, हथगोलों और विस्फोटकों से लैस होकर पुलिस स्टेशनों पर समन्वित हमले किए, जेलों से भागने की कोशिश की, शस्त्रागार लूटे और लक्षित हत्याएं कीं। इन तत्वों ने बांग्लादेश में ऐसी हिंसक आराजकता सृजित की कि 5 अगस्त 2024 को व्यापक अशांति के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद पाकिस्तान ने अपना एजेंडा और तीव्र कर दिया। बांग्लादेश में आईएसआई के संचालकों ने प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों को नकदी और हथियार दिए और खूब हिंसा फैलाई। बिहारी मुसलमानों के जरिए अवामी लीग के समर्थकों, हिंदू अल्पसंख्यकों और मंदिरों को निशाना बनाया गया। दंगाइयों ने आगजनी की, घरों को लूटा और यौन हिंसा की।अल-कायदा और आईएसआईएस के कट्टरपंथी इस्लामी झंडे खुलेआम सड़कों पर लहराए गए। हिज्ब उत-तहरीर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे समूह भी इस अशांति में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और भी खराब होती चली गई। जमात-ए-इस्लामी और अन्य जेहादी संगठनों द्वारा समर्थित और बांग्लादेश के सशस्त्र बलों में कई इस्लामाबाद समर्थक लोगों की मिलीभगत से उत्साहित पाकिस्तान ढाका पर अपना प्रभाव फिर से स्थापित करने लगा। शेख हसीना के बाद के बांग्लादेश पर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत होने के साथ ही आईएसआई ने अपनी रणनीति के तहत भारत में आतंक का निर्यात करना शुरू किया। प्रशिक्षित बिहारी गुर्गों को संगठित मानव तस्करी के जरिए छोटे-छोटे समूहों में बांग्लादेश सीमा के पार भारत भेजा गया। भारत में घुसने के बाद, इन घुसपैठियों ने भारत में बैठे पाकिस्तानी दलालों के जरिए आधार कार्ड हासिल कर लिए और समाज में घुलमिल गए। वे रसोइया, नाई, घरेलू नौकरानियां, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर के रूप में धंधा करने लगे। हिंदी और उर्दू पर उनकी पकड़ के कारण उन्हें भारतीय नागरिक के रूप में पहचानना आसान हो गया। अधिकांश भारतीयों को यह नहीं पता है कि इनमें से अधिकांश लोग प्रशिक्षित आतंकवादी हैं, जिन्हें पाकिस्तानी आकाओं ने भारत के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने और देश को अंदर से अस्थिर करने का लक्ष्य दे रखा है।आईएसआई ऑपरेशन के सबसे भयावह तत्वों में से एक है एनेआईवी संक्रमित महिलाओं का इस्तेमाल। आईएसआई के निदेश पर कई युवा बिहारी महिलाओं को जानबूझकर एचआईवी संक्रमित किया गया और भारी भरकम मुआबजा देकर इन महिलाओं को वेश्यालयों और अन्य सेवा क्षेत्रों में काम करने के लिए भारत भेजा गया। वहां वे महिलाएं वायरस फैला रही हैं और हिंदुओं को निशाना बना रही हैं। यह भारत के हिंदू समाज को जर्जर करने में धीमे ज़रू का काम कर रहा है। इनमें से कुछ महिलाओं के अतिरिक्त बीमार होने पर इन्हें आत्मघाती मिशन को अंजाम देने के लिए तैयार रखे जाने की भी तैयारी है। भारतीय हिंदू आबादी में बीमारी फैलाने के लिए इसे जैविक हथियार की तरह इस्तेमाल करने की रणनीति पाकिस्तान के मूल नस्ल की संपद है। खुफिया एजेंसियों की खतरनाक सूचनाओं के बाद ही भारत में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने के प्रयास तेज हुए हैं। हालांकि आईएसआई-प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों की पहचान का काम बहुत मुश्किल टास्क साबित हो रहा है। जबकि यह जमात भारत के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है।खुफिया एजेंसियों के मुताबिक आईएसआई पहलुगाम नरसंहार जैसे हमलों को दोहराने की योजना बना रही है। इस बार यह हमला बांग्लादेश की तरफ से होगा। खुफिया एजेंसियों ने आईएसआई के प्रयासों को जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी (हजी) और अंसार अल-इस्लाम जैसे आतंकी संगठनों से जोड़ा है। इन संगठनों भारत में स्लीपर सेल बना रखे हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में आश्रय दिया जाता है।बांग्लादेश पर नियंत्रण स्थापित करने और बिहारी मुस्लिम समुदाय को अपना आजाद बनाकर और उनसे बाहर निकालने के प्रयास तेज हुए हैं। पाकिस्तान के सैन्य-खुफिया तंत्र द्वारा रची गई साजिश केवल क्षेत्रीय चिंता नहीं है, यह एक भू-राजनीतिक आपातकाल है। पाकिस्तान के इस आतंकी अभियान में राष्ट्रविहीन व्यक्तियों को पैदल सैनिक के रूप में हथियार बनाया जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञ यह मानते हैं कि यदि इस खतरे का गंभीरता से सामना नहीं किया गया तो दक्षिण एशिया राज्य प्रायोजित उग्रवाद, सांप्रदायिक हिंसा और सीमा पार आतंकवाद के एक नए दौर में उलझ सकता है। अभी कार्रवाई न करने से न केवल इस्लामाबाद की बदनीयत को बढ़ावा मिलेगा बल्कि अस्थिरता की आग भड़क सकती है जो पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लेगी और वैश्विक शांति को खतरे में डाल देगी। इस मामले में निष्क्रियता का परिणाम अत्यंत घातक साबित हो सकता है।

पंजा-लालूटेन के...

पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में बिहार में करीब 55 हजार किमी ग्रामीण सड़कें बनी हैं। 1.5 करोड़ से अधिक घरों को बिजली के कनेक्शन से जोड़ा गया है। 1.5 करोड़ घरों को पानी का कनेक्शन दिया गया है। 45 हजार से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं। बिहार की प्रगति के लिए हमें इस गति को लगातार बढ़ाते रहना है।

बिहार के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने 400 करोड़ रुपए से अधिक की नई वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया और इस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई।

इसके अलावा, उन्होंने उत्तर बिहार में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पाटलिपुत्र (पटना) से मुजफ्फरपुर और बेतिया से होते हुए गोखपुर जाने वाली बंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने गिनी गणराज्य को निर्यात के लिए मट्टौरा संयंत्र में निर्मित अत्याधुनिक रेल इंजन को भी हरी झंडी दिखाई। यह इस कारखाने में बना पहला रेल इंजन है, जिसे निर्यात किया जाना है। प्रधानमंत्री ने नमामि गंगे परियोजना के तहत 1,800 करोड़ रुपए से अधिक लागत के छह सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी। पीएम मोदी ने बिहार के विभिन्न शहरों में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली जलापूर्ति और स्वच्छता परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। उन्होंने बिहार में 500 मेगावाट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की नींव रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 53,600 से अधिक लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की। पीएम ने पीएमएवाई शहरी परियोजना के तहत पूरे हो चुके 6,600 से अधिक मकानों के गृह प्रवेश समारोह के मौके पर कुछ लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार समृद्ध होगा और देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाएगा। मेरे इस विश्वास में आप सभी का सामर्थ्य है। आप सभी ने मिलकर जंगलराज का सफाया किया है। यहां के नौजवानों ने तो 20 साल पहले की बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कहानियों में सुनी होगी। जंगलराज ने बिहार का क्या हाल कर दिया था, वह सभी लोग जानते हैं। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उस बिहार को पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के रहने वाले हर व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसका स्वाभिमान होता है। कठिन से कठिन परिस्थिति में बिहारी भाई-बहन काम करके दिखाते हैं। वह कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करते। लेकिन, पंजे और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई। इन लोगों ने ऐसी लूट मचाई कि गरीबी बिहार का दुर्भाग्य बन गई। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की पटरी पर लाने का काम किया है।पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज लाने वाले फिर से सपना देख रहे हैं कि बिहार के संसाधनों पर वे फिर से कब्जा कर सकें। इसके लिए वह तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। आपको अपने भविष्य के लिए सतर्क रहना है। बिहार के विकास पर ब्रेक लगाने वालों को कोसां दूर रखना है। वो लोग हर चुनाव में आकर बोलते थे गरीबी हटाओ गरीबी हटाओ। लेकिन, आपने जब से एनडीए सरकार को मौका दिया तब पता चला कि गरीबी कम भी हो सकती है। देश की 25 करोड़ की आबादी गरीबी रेखा से बाहर आई है। बीते दशक में बिहार के करीब पौने चार करोड़ साथियों ने खुद को गरीबी से मुक्त किया है। आजादी के इतने दशकों बाद भी लोग गरीबी से ग्रस्त थे। यह इसलिए नहीं हुआ कि बिहार या देश के लोगों में मेहनत में कमी थी। इन्हें आगे बढ़ने का रास्ता नहीं दिया गया। लंबे समय के लिए कांग्रेस और राजद वालों ने इन्हें गरीबी में धकेल दिया। इनके राज में गरीबों को घर नहीं मिलता था। शिक्षा, स्वास्थ्य और राशन तक मुहैया नहीं होती थी। गैस कनेक्शन के लिए सांसदों की सिफारिश लगानी पड़ती थी। नौकरी बिना सिफारिश के नहीं मिलती थी।पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस की करतूतें और इनकी कार्रवाई बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। जब यह लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को अपनी दुकान, कारोबार, उद्योग-धंधे सब पर ताले लटकते नजर आते हैं। इसलिए ये लोग नौजवानों के दिल में कभी भी जगह नहीं बना पाए। ये लोग गुंडा राज, माफिया राज, बेहाल इंफ्रास्ट्रक्चर और भ्रष्टाचार के पोषक बने रहे। एनडीए कैसा बिहार बना रही है? इसका उदाहरण मट्टौरा रेल फैक्ट्री है। आज मट्टौरा को पहला इंजन अफ्रीका भेजा जा रहा है। आप सोचिए कि अफ्रीका में भी बिहार का जय-जयकार होने वाला है। यह फैक्ट्री उसी सारण में बनी है जिसे पंजे और लालूटेन वालों ने पिछड़ा कहकर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार को विकास के मामले में काफी पीछे छोड़ दिया था। आज बिहार में रोड, रेल, हवाई यात्रा और जल मार्ग और हर प्रकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी निवेश हो रहा है।इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार जिस तरह से काम कर रही हैं, उससे बिहार बहुत आगे बढ़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने जो सोगात दी है, उससे बिहारवासियों को काफी फायदा होने वाला है। केंद्र सरकार द्वारा जाति जगनगना कराने के फैसले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। नीतीश ने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि इससे पहले जो लोग सरकार में थे, उन लोगों ने क्या किया था बिहार के लिए? क्या हाल था? नीतीश ने कहा कि विश्वक्ष अनाप-शनाप प्रचार कर रहा है। इससे बिहार के लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। वे जब सरकार में थे तो क्या किया था बिहार के लिए? क्या हाल था? कोई काम नहीं किया था उन लोगों ने। हमले शाम में लोग घर से नहीं निकल पाते थे। हमलोगों की सरकार आई तो महिलाओं को आरक्षण दिया। जो भी मौका मिला हमलोगों ने विकास के लिए काम किया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया। पुल और पुलियों का निर्माण करवाया। सीएम नीतीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने बजट में बिहार को विशेष पैकेज दिया। मखाना, एयरपोर्ट, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की। यह बहुत खुशी की बात है।

ओड़ीशा आना ...

राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ पीएम मोदी ने पहली बार जिले में रेल संपर्क बढ़ाने वाली नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने भुवनेश्वर में राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) प्रणाली के अंतर्गत 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी भी दिखाई।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज 20 जून का दिन बहुत विशेष है। आज ओड़ीशा में पहली भाजपा सरकार ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार की नहीं है; यह सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है। यह एक वर्ष जनसेवा और जनविश्वास को समर्पित है। मैं ओड़ीशा के लोगों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। मैं मुख्यमंत्री मोहन माझी और उनकी पूरी टीम को भी बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा, ओड़ीशा सिर्फ एक राज्य नहीं है, यह भारत की समृद्ध विरासत का एक चमकता सितारा है। सदियों से

ओड़ीशा ने भारतीय सभ्यता और संस्कृति को समृद्ध किया है। यही कारण है कि आज जब विकास और विरासत का मंत्र भारत की प्रगति का आधार बन रहा है, तो ओड़ीशा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। पिछले एक साल में ओड़ीशा ने विकास और विरासत दोनों के इस मंत्र को सही मायने में अपनाया है और उसे अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान अपनी विदेश यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा, अभी दो दिन पहले मैं जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा में था। मेरी यात्रा के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुझे फोन किया। उन्होंने कहा, चूंकि आप पहले से ही कनाडा में हैं, तो वाशिंगटन क्यों नहीं आते? चलिए खाना खाते हैं और बात करते हैं। उन्होंने गर्मजोशी से निमंत्रण दिया। मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति से सम्मानपूर्वक कहा, आपने निमंत्रण के लिए धन्यवाद, लेकिन मेरे लिए महाप्रभु की पवित्र भूमि पर जाना आवश्यक है। और इसलिए, मैंने विनम्रतापूर्वक उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि महाप्रभु के प्रति आपका प्रेम और भक्ति मुझे इस पवित्र भूमि पर खींच लाई।

पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद दशकों तक देश के लोगों ने कांग्रेस के शासन मॉडल को देखा। उस मॉडल में सुशासन और जीवन की सुगमता, दोनों का अभाव था। विकास परियोजनाओं में देरी, उन्हें पटरी से उतारना और उनका कुप्रबंधन, घोटाले, भ्रष्टाचार, ये कांग्रेस के विकास मॉडल की पहचान थी। लेकिन हाल के वर्षों में देश ने भाजपा के विकास मॉडल को व्यापक स्तर पर देखा है। पिछले एक दशक में कई राज्यों ने पहली बार भाजपा की सरकारें देखी हैं। और इन राज्यों में सिर्फ सरकार ही नहीं बदली, बल्कि सामाजिक और आर्थिक बदलाव का एक नया युग शुरू हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह सुखद संयोग है कि जब ओड़ीशा की भाजपा सरकार अपने एक साल पूरे कर रही है तब आप सभी भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा की तैयारियों में जुटे हैं। महाप्रभु हमारे लिए आराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं और महाप्रभु के आशीर्वाद से श्री मंदिर से जुड़े विषयों का समाधान भी हो गया है। यहां सरकार बनते ही श्री मंदिर के चारों द्वार खोल दिए थे, श्री मंदिर का रत्नभंडार भी खुल गया है और यह कोई राखी त्योहार-विजय का विषय नहीं है, यह करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान करने का कार्य हुआ है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आदिवासी साथियों के सपने पूरे करना, उन्हें नए अवसर देना, उनके जीवन से मुश्किलें कम करना, हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए पहली बार जनजातीय विकास के लिए दो बहुत बड़ी राष्ट्रीय योजनाएं देश में बनी हैं। इन दो योजनाओं पर 1 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं। पहली योजना है धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान। बिरसा मुंडा जी के नाम पर इसे रखा गया है। इसके तहत देश भर में 60,000 से अधिक आदिवासी गांवों में विकास के काम किए जा रहे हैं। यहां ओड़ीशा में भी कहीं आदिवासियों के लिए घर बन रहे हैं, रोड बन रहे हैं, बिजली पानी की सुविधाएं बन रही हैं। यहां ओड़ीशा के 11 जिलों में 40 आवासीय विद्यालय भी बन रहे हैं। केंद्र सरकार इस पर भी सैकड़ों करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। जो दूसरी योजना है, उसका नाम है पीएम जन-मन योजना है। इस योजना की प्रेरणा ओड़ीशा की धरती से आई है। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति, ओड़ीशा की बेटी आदरणीय द्रौपदी मुर्मू ने इस योजना के लिए हमें मार्गदर्शन दिया है'।

20 रुपए में...

चांगसारी इंस्टॉल किया गया और वह पूरी कामयाबी के साथ काम कर रहा है। इस उपकरण की खासियत उसकी कुशल डिजाइन, ऊर्जा की किफायती खपत और न्यूनतम रखरखाव है। इस उपकरण की अनुमानित जीवन अवधि कम से कम 15 साल बताई गई है। इस उपकरण में हर छड़ी महीने पर इलेक्ट्रीड बदलना होगा। इस मशीन को न्यूनतम पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है। शोध धल के नेता प्रोफेसर पूरकाइत ने कहा, हम यूनिट को संचालित करने और इलेक्ट्रो-कोएयुलेशन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हाइड्रोजन गैस का उपयोग करने के लिए सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग की भी खोज कर रहे हैं। इस शोध में पोस्ट-डॉक्टरल एसोसिएट्स डॉ. अन्वेश और डॉ. पियाल मंडल के साथ-साथ रिसर्च स्कॉलर भी शामिल थे। ये सभी आईआईटी गुवाहाटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग से संबद्ध हैं।

भारतीयों की....

वह अपने एयर स्पेस को लेकर जारी की गई कई पाबंदियां को कम कर रहा है। इसी कड़ी में बताया गया है कि ईरान में फंसे एक हजार भारतीय नागरिकों को ईरान के ही तीन स्पेशल एयरक्राफ्ट के जरिए दिल्ली तक पहुंचाया जाएगा।यहां भी ईरान से पहली फ्लाइट तो आज शुक्रवार रात ही रवाना होने जा रही है, अगली दो फ्लाइट शनिवार दोपहर तक दिल्ली पहुंचेंगी। ईरान के मुताबिक अगर जरूरत पड़ेगी तो भारत के लिए और दूसरे विमानों को भी रवाना किया जाएगा। जोर देकर बोला गया है कि इस समय ईरान में सभी भारतीय पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसी हफ्ते 110 भारतीयों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया गया था। ऑपरेशन सिंधु के तहत ही उन लोगों का रेस्क्यू हुआ था। दिल्ली पहुंचकर उन लोगों ने भारतीय एंबेसी की जमकर तारीफ भी की थी। वैसे ईरान के साथ-साथ इस समय इजराइल में भी क्योंकि हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, ऐसे में वहां से भी सभी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश जारी है। बताया जा रहा है कि एयर स्पेस को लेकर कई सारी पाबंदियां चल रही हैं, ऐसे में इजराइल से लैंड बॉर्डर के जरिए लोगों का रेस्क्यू हो सकता है।

मुसलमान बनाएंगे...

यह हिंदुओं का सीधा अपमान है।इधर, हाल के दिनों में गौमांस के अवशेष हिंदू मंदिरों के अंदर या आस-पास फेंकने की घटनाएं बढ़ी हैं, जो हिंदू आस्था पर सीधा हमला है। इस्लामी कट्टरपंथी और हिंदू विरोधी तत्व जानबूझकर हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने और द्रो भड़काने के लिए यह काम कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 13 जून को बताया कि बकरीद के अगले दिन धुबरी के मुस्लिम बहुल इलाके में एक हनुमान मंदिर के पास गाय का कटा हुआ सिर मिला, जिससे हिंदू समुदाय में तनाव फैल गया। शांति बैठक के बाद भी अगली

सुबह फिर से मंदिर में गाय का सिर फेंका गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुबरी में एक मजहबी समूह सक्रिय है, जो जिले को बांग्लादेश में मिलाना चाहता है। कुछ लोगों ने पथराव किया और नबीन बांग्ला नाम के संगठन के पोस्टर लगाए। इसके बाद ही सीएम सरमा ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया।13 जून के बाद फिर 18 जून को असम के गोलापारा जिले के लखीमपुर कस्बे में एक हिंदू मंदिर के पास गाय का कटा हुआ सिर फेंकने की घटना सामने आई, जिससे इलाके में मजहबी तनाव फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, सिर को हटाया और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी ताकि आगे कोई और अपवित्र घटना न हो। इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम बोदिर अली, हजरत अली, तारा मिया, शाजमल मियां और जहांगीर अलोम हैं। 18 जून को ही लखीमपुर जिले में एक नामघर (प्रार्थना स्थल) के पास तीन गायों की खोपड़ियां मिलने के बाद सात मुस्लिम व्यक्तियों मंसूर अली, मोहम्मद रज्जाक अली, साहा अली, दिलवर हुसैन, दिलदार हुसैन, अबू कलाम अली और जाहिदुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया।इसी तरह मार्च महीने में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मदेयंगंज स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के बाहर अज्ञात लोगों ने एक बछड़े का कटा हुआ सिर फेंका। इससे स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश फैल गया और लोगों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मंदिर में दो साल में तीसरी बार ऐसी घटना की गई। लेकिन पुलिस ने इन मामलों में कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के दरियाबाद इलाके में मार्च में ही हिंदू व्यापारियों के घरों के बाहर गाय के अवशेष फेंके गए थे। गोपाल अग्रवाल के घर के बाहर गाय का कटा हुआ सिर और दीपक कपूर के घर के बाहर गाय का पैर बरामद हुआ था। पुलिस अधिकारी संजय द्विवेदी ने माना भी कि यह घटना सांप्रदायिक तनाव फैलाने के इरादे से की गई थी। व्यापारी गोपाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले पांच महीनों में यह तीसरी बार है जब उनके घर के बाहर गाय के अवशेष फेंके गए, लेकिन पहले की घटनाओं की तरह पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।छह जून को उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में शीतलगंज पुत्रपुर गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पास कुछ ब्रह्मसंघों ने मांस का टुकड़ा फेंक दिया। सुबह श्रद्धालुओं ने मंदिर के बाहर मांस देखा तो आक्रोशित हो गए। स्थानीय हिंदू कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद थाना प्रभारी बृजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, भीड़ को शांत कराया और मांस हटा कर उसे मिट्टी में दबवा दिया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र स्थित रॉबर्ट्सगंज में हनुमान मंदिर के पास एक गाय के बछड़े का शव मिलने के मामले में भी पुलिस की कार्रवाई ढीली ही रही। यही हाल शाहजहांपुर मंदिर के पास मांस के अवशेषों से भरा थैला बरामद किए जाने के मामले में भी हुआ। इसी तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश में कन्नौज स्थित रसूलबाद मंदिर और शामली जिले में सिक्रा गांव मंदिर में भी हुई। लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया।मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के जौरा कस्बे में भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर में इसी महीने कुछ उपद्रवी तत्व गाय का कटा हुआ सिर फेंक कर भाग गए। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने इस मामले में सलमान मेवाती, शाकिर कुरैशी, नौशाद कुरैशी और शाहरूख सत्तार के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया और प्रशासन ने आरोपियों के घरों के अवशेष हिस्से भी दहाने दिए। बकरीद से पहले दिल्ली के संगम विहार के गुप्ता कॉलोनी के पास एक बछड़े का कटा हुआ सिर मिला। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया और स्थानीय हिंदू संगठनों ने इसे जानबूझकर किया गया अपमान माना, साथ ही इस्लामवादियों पर आरोप लगाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया लेकिन इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। जयपुर के सुभाष चौक इलाके में 18 जून को उस समय तनाव फैल गया जब कुछ अज्ञात लोग बाइक पर आए और चाणक्य मार्ग स्थित शिव मंदिर के सामने मांस फेंककर भाग गए। यह घटना शाम करीब 4:30 बजे हुई और सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना गंगा एकादशी के दिन हुई, जो हिंदुओं के लिए पवित्र माना जाता है। मांस के टुकड़े मंदिर के सामने पड़े होने का वीडियो भी सामने आया। घटना की खबर फैलते ही लोग मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने सुभाष चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई।दिल्ली के तीस हजारी इलाके में झंडेवाला देवी मंदिर से पवित्र ज्योति ले जा रहे श्रद्धालुओं के जुलूस पर कुछ लोगों ने मांस के टुकड़े फेंक दिए थे। इससे धार्मिक जुलूस अपवित्र हो गया और स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोप लगाया कि यह हमला जानबूझकर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए किया गया था। लेकिन इस मामले में भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके शीतला माता मंदिर के पास गाय के अवशेष मिले। डी ब्लॉक मंदिर के पास भी गाय के अवशेष फेंके गए। स्थानीय लोगों को मौके से एक पहचान पत्र मिला, जिसमें नाम इसानुल होदा और पिता का नाम अब्दुल जलील दर्ज था। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।झारखंड भी इस तरह की घटनाओं का शिकार हो रहा है। झारखंड के साहिबगंज जिले में राजमहल थाना क्षेत्र स्थित फुलबरिया कालीबाड़ी दुर्गा मंदिर के अंदर मांस फेंका गया। झारखंड के करमदाहा (धनबाद और जामताड़ा जिले की सीमा) में दुखिया महादेव मंदिर के पास मांस फेंके जाने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के सिवा कुछ नहीं किया।

इजराइल से युद्ध ...

दुनिया में उसकी बात सुनी जाती है, ऐसे में उसे इजराइल की आल-चेचना कर एक सक्रिय भूमिका अदा करनी चाहिए। यह पहली बार है जब ईरान ने खुलकर इस युद्ध में भारत से कोई अपील की है।

वैसे इस समय ईरान भारत को एक और मामले में सहयोग कर रहा है। ईरान में 1000 के करीब भारतीय अभी भी फंसे हुए हैं, उन्हें कैसे सुरक्षित निकाला जाए, यह एक चुनौती बना हुआ है। उसी चुनौती को देखते हुए अब ईरान भारत की मदद कर रहा है, उसकी तरफ से तीन एयरक्राफ्ट भेजने की तैयारी है। इसी हफ्ते 110 भारतीयों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया गया था। दिल्ली पहुंचकर उन लोगों ने भारतीय दूतावास की जमकर तारीफ भी की थी। ईरान के साथ-साथ इस समय इजराइल में भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, ऐसे में वहां से भी सभी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश जारी है। बताया जा रहा है कि एयर स्पेस को लेकर कई सारी पाबंदियां चल रही हैं, ऐसे में इजराइल से लैंड बॉर्डर के जरिए लोगों का रेस्क्यू हो सकता है।



अग्रवाल समाज तेलंगाना चूनाव

15 उम्मीदवार मैदान में, नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 24 जून



हैदराबाद, 20 जून
(शुभ लाभ व्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा वर्ष 2025-27 के लिए पांच पदों के लिए आगामी 29 जून को होने वाले चुनाव के लिए कुल 15 उम्मीदवारों के फार्म शुरुवार, दि. 20 जून, 2025 को वैध पाये गये। उम्मीदवारों द्वारा फार्म जमा किये जाने के बाद वैध नामों की सूची चुनाव अधिकारी डॉ. मोहन गुप्ता, संकुंदला अग्रवाल एवं महेंद्र गुप्ता द्वारा अग्रवाल समाज कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाई गई। अब नाम वापस लेने की अंतिम तिथि मंगलवार दि. 24 जून को

सुबह 11.00 से अपराह्न 3.00 बजे तक रहेगी। तत्पश्चात् उम्मीदवारों के नामों की अंतिम सूची उसी दिन सायं 5.00 बजे समाज कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी। अगर दि. 24 जून तक भी कोई भी उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं लेगा तो चुनाव आवश्यक हो जाएगा।

जो आगामी रविवार, दि.
29 जून, 2025 को सीक्रेट
बैलेट के जरिए सुबह 11.00
से अपराह्न 3.00 बजे तक
रिकाबगंज स्थित अग्रवाल
शिक्षा समिति परिसर में करवाए
जायेंगे। मतगणना उसी दिन
सायं 5.00 बजे से अग्रवाल

शिक्षा समिति के परिसर में होगी तत्पश्चात परिणाम की घोषणा की जाएगी।

टीम एक पैनल की ओर से अध्यक्ष पद के लिए अनिरुद्ध गुप्ता (आगापुरा शाखा), उपाध्यक्ष- रूपेश अग्रवाल (आबिड्स शाखा), महासचिव- विकास केशान (सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा), सहसचिव- डॉ. सीमा जैन (कूकटपल्ली शाखा) एवं कोषाध्यक्ष के लिए अचल गुप्ता (उर्दू गली चारमीनार शाखा) मैदान में हैं। इनके अलावा अध्यक्ष पद के लिए- नरेंद्र कुमार गोयल (श्रीनगर कॉलोनी शाखा), राजेंद्र कुमार

अग्रवाल (महाराजा अग्रसेन-
मार्ग शाखा), राकेश अग्रवाल
(शिवरामपल्ली शाखा)।
उपाध्यक्ष के लिए गोविंद
नारायण मोदी (मलकपेट शाखा),
लोकेश संधी (अष्ट
युवा तिरुमलगिरी शाखा)।
मानद मंत्री के लिए हरि गोविंद
प्रसाद (मूसारामबाग शाखा),
सैयद मित्तल (सिन्दराबाद
चौड़ाइज शाखा)। सह-मंत्री
पद के लिए प्रशांत देव गुप्ता
(अत्तापुर सेंट्रल शाखा) और
कोषाध्यक्ष पद के लिए
अनिल कुमार गर्ग (दोमलगुडा
शाखा) और हनुमानदास
अग्रवाल (अत्तापुर शाखा)
मैदान में हैं।



एनएमडीसी में विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन



हैदराबाद, 20 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में आज दिनांक 20 जून, 2025 को कार्मिकों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिन्नंदन किया। तत्पश्चात श्री रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने इस विशेष हिंदी कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कार्मिक अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिंदी में सफलतापूर्वक सम्पन्न कर सकें, इस उद्देश्य से एनएमडीसी मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि निदेशक

(कार्मिक) श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी ने कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का भरपूर लाभ उठाकर राजभाषा प्रयोग में प्रगति करने का आह्वान किया है। तत्पश्चात् उन्होंने संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित श्रीमती नीलिमा तिवारी, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का परिचय प्रतिभागियों से कराया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्री रुद्र नाथ मिश्र ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। द्वितीय सत्र में श्रीमती नीलिमा तिवारी, सहायक निदेशक ने हिंदी पत्राचार एवं शब्दावली पर सत्र लिया तथा प्रतिभागियों को अन्वयास कराया। कार्यशाला के अगले सत्र में श्री राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यशाला के दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के आसान उपयोग

के विषय में अवगत कराया तथा हिंदी में अनिवार्य रूप से जारी किए जाने वाले दस्तावेजों एवं जांच बिंदुओं की जानकारी दी। अंतिम सत्र में राजभाषा विभाग के सभी अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा की तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस कार्यशाला में सामग्री प्रबंधन, परियोजनाएं, ट्रांसफार्मेशन एवं इनोवेशन, सतर्कता, इंजीनियरिंग एवं सर्विसेज, वित्त, मानव संसाधन विकास, संविदा, वाणिज्य, संसाधन योजना, परियोजना मॉनिटरिंग सेल, उत्प-त्तन समन्वय, नैगम सामाजिक दायित्व, कोयला प्रभाग, कार्मिक, वर्कस, कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं आंतरिक सुरक्षा संगठन इत्यादि विभागों के कार्मिकों ने भाग लिया। सुग्री सुरेखा एवं सुग्री शाइस्ता, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

हैदराबाद, 20 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने हैदराबाद में ग्राहक सम्मेलन 2025 आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था एग्रीजेंटिक सामग्रियों के स्वदेशीकरण: डिजाइन, सामग्री, उत्पाद, गुणवत्ता - सहित लचीलापन। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के रक्षा, एयरोस्पेस और सामरिक क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों को नए अवसरों पर विचार-विमर्श करने, ग्राहक जुड़ाव को मजबूत करने और महत्वपूर्ण सामग्रियों में आत्मनिर्भरता के लिए सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री यू. राजा बाबू, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और महानिदेशक (मिसाइल और सामरिक प्रणाली), डीआरडीओ रहे। क मोडोरो (सेवानिवृत्त) भी माधवराव , अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल; ईसीआईएल



के सीएमडी श्री अनुराग कुमार और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ. जे आर जोशी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मिथानि के सीएमडी डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति ने उद्घाटन भाषण दिया और स्वदेशीकरण की दिशा में मिथानि की उपलब्धियों और रणनीतिक पहलों पर प्रकाश डाला। इसके बाद सभी मुख्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और भारत के रक्षा व अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए विशेष

सामग्रियों के विकास तथा आपूर्ति में मिथान की अग्रणी भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम का एवज में प्रमुख आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा मिथान की तकनीकी कैटलॉग का विमोचन रहा, जिसमें संगठन की तकनीकी क्षमताओं और भविष्य के रोडमैप को दर्शाया गया। तकनीकी सत्र में मिथानि एचएएल, वीएसएससी और बीपीआरसी के विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी उन्नति और सहयोग के स्टेडिज को प्रदर्शित करने हेतु व्यावहारिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रो

बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी
हैदराबाद (मॉडरेटर), डॉ. के.
बालासुब्रमण्यम, निदेशक,
एनएफटीडीसी, डॉ. जे.आर. जोशी,
सीईओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस,
पी.वी. राजा राम, निदेशक (उत्प-
एन), बीडीएल, डॉ. गोविंद,
निदेशक, वीएसएससी, बी.वी.एल.
अनिल कुमार, जीएम, एचएएल
(एफएंडएफ), डॉ. के. गोपीनाथ,
एसोसिएट निदेशक, डीएमआरएल
के पैरल ने स्वदेशी विकास को
बढ़ावा देने और रणनीतिक
सामग्रियों तथा घटकों में आयात

निर्भरता को कम करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया उद्घाटन सत्र की शुरुआत पापंरिकरि दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद मिथानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री टी. मुत्तुकुमार ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन महत्वपूर्ण उद्देश्य की प्राप्ति की संकल्पना के साथ हुआ जिससे सामग्री इंजीनियरिंग के सहयोगात्मक नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से आत्मनिर्भरता के प्रति मिथानि की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन का स्वर्ण पदक से सम्मान



हैदराबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन को राजभाषा का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए रेलवे बोर्ड स्तर पर 'कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक' प्राप्त हुआ है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अखिल रेल स्तर पर यह

एकमात्र पुरस्कार होता है। 'ग' क्षेत्र में स्थित इस रेलवे के महाप्रबंधक को अखिल रेल स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त होना स्वयं महाप्रबंधक तथा रेलवे के लिए गर्व की बात है। अखिल रेल स्तर पर रेलवे की स्थिति और उन्नत हो गई है। यह स्वर्ण पदक इस रेलवे के अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक है।



रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेंनियल द्वारा मजीदपुर स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में लड़कियों के लिए शौचालय ब्लॉक प्रदान किया गया। इसका उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर शरद चौधरी ने असिस्टेंट गवर्नर गोविंद अग्रवाल और मुख्याध्यक्ष विजय भास्कर रेड्डी की उपस्थिति में किया। मचीय कार्यक्रम में प्रिंसिपल विजय भास्कर रेड्डी ने सभी का आभार व्यक्त किया और स्कूल के बच्चों के लिए खेल सामग्री और उपकरणों के लिए एम।जी.आशा जतायी और तुरंत ही रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेंनियल ने इसे भेंट करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पंजन कुमार सभी, आशीष अवस्थी, चेतन, रामराज, अनिल डनडु, अनिल कौता, महावीर जैन, सुरेश, दीपक, मधु आदि उपस्थित थे।



हैदराबाद, 20 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र के चेयरमैन विनोद संजोवी, वांड्स चेयरमैन अजय नाहाटा, संजय ज़ेलहशीरी ने नारायणखेड़ विधायक डॉ. पी. संजीव रेड्डी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में उनसे सहायता से कई गाँवों में संयुक्त रूप से एक मेगा वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल के अंतर्गत हैदराबाद केंद्र ने एक स्थानीय

विद्यालय का भी दौरा किया। जहाँ विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया गया। पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव, वृक्षारोपण के महत्व और शिक्षा व खेलकूद में उत्कृष्टता के विषयों पर बच्चों को प्रेरित किया गया। चेयरमैन विनोद संचेती ने बच्चों को इन सभी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से डॉ. पी. संजीव रेड्डी का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया कि उन्होंने इस अभियान को करके की स्वीकृत प्रदान की।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र
द्वारा मेगा वृक्षारोपण अभियान

आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल में 'क्रीड़ा प्रांगण' प्ले स्कूल का शुभारंभ



हैदराबाद, 20 जून
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य कन्या विद्यालय हा स्कूल, देवीदीन बाग, हनुमान टेकडी, सुल्तान बाजार के अंतर्गत आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल मंडी क्रीडा प्रांगण प्ले स्कूल का शुभारंभ प्रोफेसर सरराजू ने दिया आशीर्वाद संदेश 'क्रीडा प्रांगण' प्ले स्कूल का शुभारंभ यज्ञ के साथ प्रारंभ किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा पंडित ओमप्रकाश शास्त्री, यजमान भरत मुनि और श्रीमती विद्याधारी वानप्रस्थी उपस्थित थे। यज्ञ के उपरान्त श्रीमती ममता जैन मंच का संचालन किया और अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर सरराजू, प्रो उपकुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय का परिचय श्रुतिका भारती ने दिया। इसके बाद उनका

शाल द्वारा स्वागत रामचंद्र राजू ने किया। डॉ। विजयवीर विद्यालंकर का परिचय पंडित गंगाराम स्मारक मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने दिया और उनका स्वागत प्रदीप जाजू ने शाल उद्घाटन किया। भरत मुनि वानप्रस्थी का परिचय डॉ. प्रतापधर ने दिया और उनका स्वागत डैनी कुमाराश्री ने किया। श्रीमती विद्याधारी वानप्रस्थी का परिचय कुमारी निखला ने दिया और उनका स्वागत श्रीमती विभा भारती ने किया। श्री भरत मुनि के द्वारा बालकों के लिए लिखित खेलों - सीखों (प्ले एंड लर्न) पुस्तक का विमोचन प्रोफेसर सरराजू ने किया और श्रीमती विद्याधारी वानप्रस्थी द्वारा लिखित 'हैंडबुक का विमोचन डॉ. विजयवीर विद्यालंकर ने किया। डॉ। विजयवीर विद्यालंकर और प्रोफेसर सरराजू के

कीड़ा प्रांगण की सफलता के लिए आशीर्वाद संदेश दिया। कीड़ा प्रांगण के लिए सी ए श्याम मोदानी ने खेलने के लिए खिलौने का प्रबंध किया, जिसके लिए समिति ने उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम को अग्रिमूनी डॉ. धर्म तेजा, चंद्रदू, श्रीमती सरिता तिवारी, सुधा रानी, पदमा, चित्रा, मालिनी, मधु लता, रासलक्ष्मी प्रमलता श्रीवास्तव, हेमलता, संस्कृति और अन्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कर सफल बनाया। आर्य कन्या विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी ने धन्यवाद संदेश दिया और सभी का आभार व्यक्त किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। पदमा के बाद प्रसाद और मध्याह्न भोजन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान द्वारा हरित योग कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएम) के तहत कार्यक्रम हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय



भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025, जिसे 21 जून, 2025 को विश्व स्तर पर मनाया जाएगा उसके लिए अपनी प्रारंभिक गतिविधियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में आयुष मंत्रालय और परिषद के दिशानिर्देशों के तहत संस्थान ने इस वर्ष की अतिरिक्त थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर केंद्रित कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया है। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद की देखरेख में इन पहलों का उद्देश्य योग के प्रति जन जागरूकता और भागीदारी को

महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है। इन प्रारंभिक आयोजनों के हिस्से के रूप में, आज, 19 जून, 2025 को 'हरित योग' पहल के तहत प्रभावशाली जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हैदराबाद के आंध्र कॉलोनी स्थित गर्वमेंट नेहरू मेमोरियल हाई स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें सीसीआर एएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद के अधिकारियों की एक टीम ने डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में सहभाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. जी.पी. प्रसाद ने अंशंग योग के गहन सिद्धांतों और लाभों पर एक

व्यापक व्याख्यान दिया, जिसमें समग्र कल्याण के लिए इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट किया गया। डॉ. वी. सुभोष, सहायक निदेशक (आयु.), ने आयुष मंत्रालय द्वारा की गई विभिन्न प्रगतिशील पहलों पर प्रकाश डाला और विशेष रूप से छात्रों को पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर जोर दिया, जो पृथ्वी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक हैं। डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), ने आगामी 'योग संगम' कार्यक्रम के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की, जिसे संस्थान 21 जून, 2025 को मुख्य आईडीवाई समारोहों के हिस्से के रूप में आयोजित करने वाला है।

एनआईआईएमएच की ओर से, डॉ. विश्वो रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियो.), ने छात्रों और समर्पित शिक्षण गण, श्रीमती अनीता, श्रीमती मीना, श्रीमती पद्मावती, श्री श्रीनिवास और प्रधानाचार्या श्रीमती सुजाता को उनके अमूल्य समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिससे इस कार्यक्रम का सुचारु संचालन और सफलता सुनिश्चित हुई। कार्यक्रम का समापन डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक जी के द्वारा स्कूल स्टाफ को सूचनात्मक योग आईडीसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री वितरित करने के साथ हुआ, जिससे योग ज्ञान के प्रसार में और सहायता मिली। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण स्कूल परिसर के भीतर समवर्ती रूप से आयोजित किया गया पौधा वितरण और वृक्षारोपण अभियान था, जिसने 'हरित योग' की थीम और 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के व्यापक संदेश को सुदृढ़ किया।

तेलंगाना में मवेशी माफिया द्वारा कानून का उल्लंघन जारी

हैदराबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में पिछले दो महीनों में गौ ज्ञान फाउंडेशन, तेलंगाना पुलिस और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से 2000 से अधिक गौवंश को मवेशी माफिया के चंगुल से बचाया गया। इस संबंध में 50 से अधिक एफआरआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज किये गये। लेकिन मवेशी तस्क़र त्रैहार की आड़ में सामूहिक हत्याओं को अंजाम देना जारी रखे हुए हैं। गौ ज्ञान फाउंडेशन द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार गौवंश को बेहद क्रूर परिस्थितियों में खुलेआम दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। उन्हें बिना किसी एनेस्थीसिया के नियमित रूप से बधिया किया जाता है, सींग काटे जाते हैं और गर्म लोहे से दमगा जाता है। जिन पशुओं को फीडलॉट और बूचड़खानों में ले जाया जाता है, उन्हें अक्सर बिजली के झटके दिए जाते हैं, पीटा जाता है, घसीटा जाता है और लंबे समय तक भोजन-पानी से वंचित रखा जाता है। परिवहन के दौरान ट्रकों में दूंसकर भरे जाने से उनके अंग टूट जाते हैं, उन्हें कई चोटें और संक्रमण हो जाते हैं। युवा बछड़ों को बख्खा नहीं जाता है तेलंगाना राज्य गोहत्या निषेध और पशु संरक्षण अधिनियम 1977 (धारा 3, 5, 6, 10, 11), पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 (धारा 11, 38), पशु परिवहन नियम 1978 (धारा 56 ए, बी, सी) और आईपीसी 428 और 429, साथ ही सर्वोच्च न्यायालय और आंध्र प्रदेश व तेलंगाना उच्च न्यायालयों के सभी फैसले यह दर्शाते हैं कि माफिया की गतिविधियाँ अवैध हैं और भारतीय कानून के तहत दंडनीय हैं। अवैध पशु परिवहन की समस्या से निपटने के लिए, तेलंगाना पुलिस ने अंतरराज्यीय और अंतर-जिला जांच चौकियाँ भी स्थापित की हैं और पशुओं को रखने के लिए पशु आश्रय केंद्र बनाए हैं, जो पशु चिकित्सा सहायता से सुसज्जित हैं। लेकिन नागरिक, आपराधिक और नैतिक कानूनों का उल्लंघन करते हुए,



ये मवेशी माफिया मूक गौवंश की बर्बर हत्याएं जारी रखे हुए हैं। यह अवैध धंधा हजारों करोड़ का काला धन उत्पन्न करता है, जिसे हथियार तस्करी, जाली मुद्रा व्यापार जैसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के वित्तपोषण में लगाया जाता है। गौ ज्ञान फाउंडेशन इन निर्दोष गौवंश को न्याय दिलाने के साथ-साथ घटनाओं की रिपोर्टिंग, एफआरआर दर्ज करने और कानूनी लड़ाइयों से मवेशी तस्क़रों की आपराधिक और भारत-विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए विभिन्न राज्य एजेंसियों के साथ काम कर रहा है। राज्य में कुछ अन्य वास्तविक गैर-सरकारी संगठन भी सक्रिय हैं, जैसे ध्यान फाउंडेशन, जो तेलंगाना राज्य में पुलिस द्वारा माफिया से बचाए गए गौवंश के पुनर्वास के लिए दो गौशालाएं चला रहा है। वे बीमार, घायल, परित्यक्त और अनाथ गौवंश को भी अपने आश्रय में लेते हैं, जिसमें उनके आश्रय में 90 प्रतिशत गौवंश नर हैं, और मादाओं में भी ज्यादातर बूढ़ी और अनुपादक गायें हैं। यह समय है मवेशी माफिया को रोका जाए और उनकी आपराधिक गतिविधियों को पूरी तरह से बंद किया जाए। अधिक जानकारी के लिए- हरीश (9133989899), नितेश (99590 12000) से संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 190वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 190वां निशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार दि. 22 जून 2025, को वनस्थलीपुरम हैदराबाद स्थित गुरुद्वारा अकालसर साहिब में आयोजित होने जा रहा है। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्वास्थ्य जांच शिविर के प्रायोजक वन्दना शोपिंग मॉल वनस्थलीपुरम के श्री तुलसी राम बंसल है और स्थानीय सहयोग गुरुद्वारा अकालसर साहिब प्रबंधक कमेट्री और अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम का रहेगा। इस जांच शिविर में केयर हॉस्पिटल, मलकंठ हैदराबाद के डाक्टरों द्वारा रक्तचाप, सुगर जांच, ईसीजी, सामान्य रोगों संबंधित, हृदय रोगों से संबंधित, हड्डियों के रोगों से संबंधित महिलाओं से संबंधित, बालरोग से संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जायेगी। एल-सीएच साधुराम आई हॉस्पिटल,

दमलगुड्डा, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों के नेत्र संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जायेगी और जांच के दौरान चिन्हित किए गये मोतियाबिंद के रोगियों का निःशुल्क आपरेशन संचन परिक्षण के बाद एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल दमलगुड्डा हैदराबाद में किया जाएगा। एशियन इन्टी केयर सेंटर बेगमपेट के डॉ छावा अन्नन्नेयेलू के नेतृत्व में विशेषज्ञों के द्वारा नाक कान गला संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जायेगी। दांतों संबंधित रोगियों श्री प्रियंका डेंटल क्लिनिक, अबिडस और बेगमपेट, हैदराबाद के डॉ आशीष तोदी के द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी। डॉ नेतीज स्क्रीन हेयर एंड नेल क्लिनिक, पंजा गुड्डा, हैदराबाद के डॉ. साई प्रशांत नेती के द्वारा त्वचा संबंधी रोगों के निदान हेतु परामर्श दिया जाएगा। बाल गोविन्द राय हेल्थ केयर सेंटर (एक्यूप्रेशर) आत्मापूर के सरदार गोबिंद सिंह प्राकृतिक विधी एकुपंचर द्वारा अनेक लोगों के उपचार करेंगे। ओम एकुप्रसर

क्लिनिक हैदरागुड्डा हैदराबाद के डॉ ओमप्रकाश अग्रवाल मरीजों का एकुप्रसर विधी से ईलाज करेंगे। श्री साई होम्यो क्लिनिक, चिरांग अली लेन, हैदराबाद के डॉ आई राजलक्ष्मी द्वारा रोगियों को होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी। इस शिविर में हेमोग्लोबिन परिक्षण भारत विकास परिषद द्वारा किया जाएगा। इस शिविर में निशुल्क दवाइयां भवानी ग्रुप, इंदर बाग, कोठी हैदराबाद के अभिमन्यू और पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम के द्वारा वितरित किया जाएगा। अग्रवाल मानव सेवा मंच और गुरुद्वारा अकालसर साहिब प्रबंधक कमेट्री और अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम हैदराबाद स्थानीय वासीयों से निवेदन करते हैं कि अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर इस स्वास्थ्य जांच शिविर में उपलब्ध निशुल्क सेवाओं का लाभ उठायें। अधिक जानकारी हेतु संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल से मोबाइल नंबर 9014573582 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

दक्षिण मध्य रेलवे	
दो.एन. सं. 25/2025, दि. 20.06.2025.	
भण्डार वस्तुओं की आपूर्ति	
ई-खरीद निविदा सूचना	
निम्नलिखित निविदाएं अनिवार्यन जारी की गई हैं। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं और अपने प्रस्ताव अनिवार्यन प्रस्तुत करें। निविदा विवरण, मात्रा, ईएमडी, एसडी वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। मैनुअल रूप से प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे, डाक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे, निविदा बंद करने का समय निविदा की नियत तिथि के 14:30 बजे है। सभी व्यवस्था प्रस्तावों के लिए, ईएमडी केवल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध अनिवार्यन सिस्टम के माध्यम से स्वीकार की जाएगी।	
निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
75251223	विनाइल कोटड अपहोलस्ट्री
76251005	मैनुअल मेटल आर्क बेल्डिंग इन्डोब्रिड आकार 4.00X3.50 मिमी वर्ग एम2 प्रकार की कोटिंग भारी आईआरएस एम 28-2020 कोड ई 19.एलआर26 के अनुरूप आईएस 5206-2013 के अनुसार।
29255013A	स्मार्ट लोकमोडिटर प्रोपल्शन किट का पूर्ण डिजाइन, विकास, आपूर्ति स्थापना और कमीशनिंग
54255009	रिपोर्ट प्रिंटर की खरीद
38252189	ब्रेक सिलेंडर 300 मिमी
38251215	थोक पिन सपोर्ट के लिए विवरण प्लेट
54255007	यूनिफाइड टिकटिंग में इन्क्वायरी पोर्ट बाले राउटर नेटवर्क।
30251322	हेड स्टॉक व्यवस्था
6025PT018	विभिन्न आकारों के एम.एस. बॉल्ट और नट
6025PT009	RDSO DRG T-8751 के लिए HVN लाइनर की खरीद
6025PT017	मोटर के लिए 1.4 मिमी जीआई लेपिंग
33251424	सेकेंडरी बर्लिक डैम्पर
25254616	IOH रिफ्लेक्सेट किट नया 22 CB लोको
38252294	D.V.K.EO टाइप 48 आइटम के लिए POH किट
822550089	GTE ZRC (PH'25106) RUXOLITINIB 5 MG TAB
822550778C	GTE ZRC (PH'65027) इन्डोब्रिड पेंसिलिगुमाब 100 एमजी
56251005A	पीवीसी केबल 24 कोर X1.5 वर्ग मिमी
नोट: निविदा खोलने की नियत तिथियाँ: SL.No.01 on dt.07.07.2025.SL.No. 02 on dt.08.07.2025. SL.No. 03 &04 on dt.09.07.2025. SL.No.05 on dt.10.07.2025.SL.No.06 on dt.11.07.2025.SL.No.07 &08 on dt.14.07.2025. SL.No.09 & 10 on dt.15.07.2025. SL.No.11 on dt.16.07.2025 SL.No.12&13 on dt.17.07.2025 SL.No.14 on dt.18.07.2025. SL.No.15 &16 on dt.21.07.2025. SL.No.17 on dt.24.07.2025.	
संशोधन	
निविदा सूचना संख्या 23/2025 दिनांक 06.06.2025 निविदा संख्या 82255007 दिनांक 09.07.2025 संक्षिप्त विवरण: मोड्यूलर ऑपरेशन डिवाइस। ओटी रात संख्या 1,2 और 3 की मात्रा- लंबाई: 6630 मिमी (लगभग) चौड़ाई: 5250 मिमी (लगभग) ऊंचाई: 2435 मिमी (मौजूदा ऊंचाई) (लगभग) दरवाजे का आकार: (डबल डोर): 750 मिमी प्रत्येक दरवाजा: 2100 मिमी (लगभग) गलियारा: लंबाई: 16000 मिमी (लगभग) चौड़ाई: 2440 मिमी (लगभग) ऊंचाई: 2440 मिमी (लगभग) और निविदा खोलने की तिथि मौजूदा के बजाय 16.07.2025 के रूप में पढ़ी जानी चाहिए। ऊपर उल्लिखित निविदाओं के अलावा, 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाले अन्य निविदाएं हैं। विवरण के लिए कृपया ऊपर रेलवे की वेबसाइट देखें	
प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, सिकंदराबाद	
ई-टेंडर नोटिफिकेशन सं.: जीईएम/2025/बी/6365533	
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 17-07-2025 को 17.00 बजे तक टेकेंदरारों से ई-निविदाएं आमंत्रित किए जाती हैं	
1. निविदा संदर्भ सं. : जीईएम/2025/बी/6365533 दिनांक 20-06-2025 निविदा शीर्षक: जीएनटी डिबीजन सभी टीआईडी के अधिकार क्षेत्र में जीएनटी डिबीजन पर ऑटो टेंडरिंग डिवाइस की आवधिक ओवर हॉलिंग और विश्वसनीयता सुधार वस्तुओं के प्रावधान की आउटसोर्सिंग डिपो को दो वर्ष की अवधि के लिए। अनुमानित मूल्य: (रु.) 2,70,01,753.15/- पूर्व धरोहर राशि: (रु.) 2,85,100/- निविदा कॉन्स की लागत (वापसी योग्य नहीं): (रु.) शून्य	
ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 17-07-2025 को 17.00 बजे तक	
यदि निविदा खोलने की नियत तिथि को बाद में अवकाश घोषित किया जाता है तो निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जाएंगी। किसी भी विस्तृत जानकारी के लिए 20-06-2025 को या उसके बाद 17-07-2025 को 17-00 बजे तक www.GeM.gov.in वेबसाइट पर लॉग ऑन करें। कोई भी आगे का संचार/शुद्धिपत्र केवल ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।	
वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता, गुरु	

खुली ई-निविदा सूचना सं. 01-कॉमल-मुखायल-एससीआर-ओटी दिनांक 19.06.2025	
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित हैं	
1. ई-निविदा सं.: 01- कॉमल-मुखायल-एससीआर-ओटी कार्य का नाम: माल दुलाई व्यवसाय का विस्तार करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे पर माल वातायत के रेल गुप्त को बढ़ाने के लिए एक व्यापक स्तर मादा बाजार अध्ययन करने और एक विस्तृत व्यापार योजना प्रस्तुत करने के लिए एक सलाहकार का चयन लगभग। निविदा मूल्य: (रु.) 18902831.82	
बोली सुरक्षा: (रु.) 2,44,500/- पूरा होने की अवधि: 180 मानक पात्रता मानदंडों के प्रति प्रकृति में समान माने जाने वाले कार्य पात्रता और मूल्यांकन के मानदंड अनुरोध के अनुसार होंगे। प्रस्ताव (आरएफबी) दस्तावेज बोली समाप्ति तिथि: 11/07/2025 12.00 बजे	
1. निविदाकर्ताओं को केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से भाग लेना चाहिए और किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा। 2. निविदा की शर्तें और अन्य विवरण आईआईआईएम वेबसाइट ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं, जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता है, भाग लिया जा सकता है और यदि कोई संशोधन हो तो उसे देना जा सकता है। 3. सभी संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे बोली सुरक्षा केवल अनिवार्यन भुगतान के माध्यम से ही जमा करें। 4. निविदा सूचना पीसीसीएम/एससी वाणिज्यिक शाखा, मुख्यालय/रेलिनियम प्रथम तल सिकंदराबाद के कार्यालय में स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गई है, जिसे सभी कार्य दिवसों में देखा जा सकता है। 5. रेलवे बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहता है। 6. सभी संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे जीएसटीआईएस पहचान संख्या प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें। उप सूचना वाणिज्यिक बंधक, एफएस/मुखायल/सिकंदराबाद	
खुली ई-निविदा सूचना संख्या सी/ई.29/इलेक्ट्रिक/एम/एससी/23/कम्प्यूटरीकरण/ओटी/2025-26 दि. 20.06.2025	
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्ययत अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिए 18.07.2025 को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है	
1. ई-निविदा सं.: ई-निविदा संख्या सी/ई.29/इलेक्ट्रिक/एम/एससी/23/कम्प्यूटरीकरण/ओटी/2025-26 ई-निविदा संख्या ई-एम-एससी-23-ओटी-2025-26 कार्य का नाम: सिकंदराबाद डिबीजन विद्युत खराब विभाग - एसडब्ल्यू-1-एससी मौजूदा पीआरएस डेड सेंटर का उन्नयन सिकंदराबाद में अगली पीढ़ी की ई-टिकटिंग (एनवीटीडी) प्रणाली की आपदा रिकवरी साइट की मेजबानी के लिए एसडब्ल्यू-1। टीआईडीसी केंद्र-पीआरएस/एससी में स्वचालित अलार्म अग्रिम और अग्रि सुरक्षा प्रणाली और कृतक विवरण प्रणाली का प्रतिस्थापन। निविदा मूल्य: (रु.) 20,50,59,003.52 पृथुरा : (रु.) 11,75,300.00 सीटीएफ : (रु.) 0.00 समापन अवधि: 6 महीने	
वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता, (रखरखाव)/एससी	
निविदा सूचना सं.: 30आर1-यांत्रिक-ईपीपीएफएस-एससीआर-24-25	
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्ययत उप सीएई/सीआरएस/टीपीटीवाई द्वारा निम्नलिखित सामान्य तिथि के तहत निविदा संख्या: के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, जिसका कि नीचे उल्लेख किया गया है, 11:00 बजे तक। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलीयां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, तथा प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा किया जाएगा।	
1. कार्य का विवरण: निविदा संख्या: 30R1-Mech-EPPFS-SCR-24-25 दक्षिण मध्य रेलवे पर इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक प्रेशराइज्ड फ्लूजिड सिस्टम (ईपीपीएफएस) के रखरखाव के लिए 12 महीने की अवधि के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएससी) लगभग लगाने: (रु.) 9,32,40,852.48 बोली सुरक्षा: (रु.) 6,16,200/- पूर्णता की अवधि: 12 महीने	
समापन की तिथि: 10.07.2025 11.00 बजे वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है मुख्य कार्यालया प्रबंधक का कार्यालय, कैरिज रियेवर शॉप, तिरुपति	
उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, कैरिज रियेवर शॉप, तिरुपति	
A0922	
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।	



राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को स्व. श्री रौनकराज अग्रवाल की दूसरी पुण्यतिथि पर बंसीलाल मोहनलाल नारनौली परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

टिप्पर वाहन चालक ने लगाया अचानक ब्रेक, पीछे से आ रहे कांस्टेबल की बाइक जोर से टकराने से हो गई मौत

हैदराबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हयातनगर थाना क्षेत्र के पेढा अंबेरपेट के पास सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यादगिरीगुडा ट्रैफिक थाना में कांस्टेबल के रूप में कार्यरत मान सिंह बाइक पर जा रहा था। इस दौरान सामने जा रही टिप्पर वाहन चालक ने

अचानक ब्रेक लगाई। इसके चलते पीछे से जा रहे कांस्टेबल की बाइक टिप्पर को जोर से जाकर टकराई। इस हादसे में मान सिंह को गंभीर चोट लगने से मौक पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस संबंध में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।



हाईटेक सिटी में शैफरॉन हॉस्पिटलटी सोल्यूशन द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में भाग लेती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता, निदेशक विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता, भाष्य श्री एवं शैफरॉन टीम।

TIBCON CAPACITORS

It's all about **SAVING ENERGY AND MONEY**

Monsoon

War

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33⁰

न्यूनतम : 24⁰

Garg Power Products Pvt. Ltd.

Cell: -91 99 12 4444 26

-91 99 48 1234 59

सर्पाफा बाज़ार

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,408.17

+1046.30 +1.29% ↑

एनएसई : 25,112.40

319.15 (1.29%) ↑

शुभ लाभ Classifieds		
CHANGE OF NAME	CHANGE OF NAME	CHANGE OF NAME
I, Army No.JC 780960W/Nb Sub LOVARAJU PALADRI of Unit:TASA HQ Telangana Andhra Sub Area ASRI, Secunderabad hereby declare that my father name is to be changed from VENKATA RAMANA to PALADRI VENKATA RAMANA.	I, SC No.15437831-W. Rank SEPOY, Name: MAHANTESH NAVI R/o.Vidya Nagar, Rabkavi, Near Laxmi Temple, Bagalkot, Karnataka Pin Code-587314, and I have Change my Son's Names from ABHINANDAN NAVI to ABHINANDAN MAHANTESH NAVI, and ROHIT NAVI to ROHIT MAHANTESH NAVI, and ROHAN NAVI to ROHAN MAHANTESH NAVI, in my Service record Affidavit dt:19-06-2025, Notary by HAMEED KHAN, ADVOCATE.	I, Service No. 6943514M Hav ILAVARASAN S of Unit:AOC Records, C/o.56 APO, permanent resident of Vill:Vaippam, Post:Edaiyathankudi, Teh:Aranyalur, Dist:Aranyalur, Tamilnadu- 621707 hereby declare that my son name is to be changed from I PRAJAN to PRAJAN I vide Affidavit dt:19-6-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.
CHANGE OF NAME & DOB	CHANGE OF NAME & DOB	CHANGE OF NAME & DOB
I, DEVENDRA SINGH, Father of Service No. 15796058L Hav (OFC) BAGESH KUMAR, R/o.Vill: GovindPur Shiv Nagar, Post: Gandhrauli, Teh:Bilsi, Dist: Budau, Uttar Pradesh-202524, india have Changed My Name From DEVENDRA SINGH to DEVENDRA SINGH vide Affidavit dt:19-6-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.	I, Service No-14665565M, Rank-HAV, Name- Santosh Kumar Thota Residing at H.No-4-159, Ramnagar, VTC-Vaigonda, PO-Vaigonda Sub Distt- Vaigonda, Distt- Nalgonda, PIN- 508112, State-Telangana. I have changed my Mother name from NARSAMMA to THOTA NARSAMMA and date of birth also changed from 01/07/1965 to 15/10/1965Affidavit dated 19 Jun 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.	I, Service No-14665565M, Rank-HAV, Name-Santosh Kumar Thota Residing at H.No-4-159, Ramnagar, VTC-Vaigonda, PO-Vaigonda Sub Distt- Vaigonda, Distt- Nalgonda, PIN- 508112, State-Telangana. I have changed my father name from RAMULU to THOTA RAMULU and date of birth also changed from 01/07/1958 to 20/10/1960Affidavit dated 19 Jun 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.
CHANGE OF NAME	CHANGE OF DATE OF BIRTH	CHANGE OF NAME
I, Service No-14685747F, Rank-NK, Name-Balwan Singh Residing at Vill-Kalalakra, PO-Chainpura Chhota,Distt-Churu PIN-331023, State-Rajasthan. I have changed my Son name from TEJS KUMAR JAT to TEJAS Affidavit dated 20 Jun 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.	I, NITHYASHREE is legally wedded Spouse of Service No-14670664Y, Rank-NK, Name-Yallesha YK, Regsidng at Vill-Yalleshapura,Teh &PO-Holenarasapur, Distt-Hassan, PIN-573211, State- Karnataka. I have changed my date of birth from 14/11/1993 to 14/07/1993 Affidavit dated 23 May 2025 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.	I, Chandgude Balkrishna Dattatraya R/o vill & P.O:Loni (S. Mir), Teh:Ashti, dist :Beed, Maharashtra, pin:414202.have changed my minor daughter name from SHRUTI to SHRUTI BALKRISHNA CHANDGUDE D/o Chandgude Balkrishna Dattatraya vide affidavit dt :19-06-2025 before judicial magistrate court, Hyderabad, Telangana

तानूर में कांग्रेस मंडल कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

तानूर, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस पार्टी मंडल कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को मंडल केंद्र स्थित समारोह हॉल में भव्य माहौल में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में मुधोल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी प्रभारी एवं पूर्व विधायक भोसले नारायण राव पटेल वह माजी विधायक जी विठ्ठल रेड्डी के मौजूदगी में तानूर मंडल कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष एच. पुंडलिक की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पीसीसी पर्यवेक्षक, राज्य के वरिष्ठ नेता एम. चंद्रशेखर गौड़, राज्य नेता एम.डी. एवेज, निर्मल जिला कांग्रेस अध्यक्ष



श्रीहरि राव और वरिष्ठ नेता वेणुगोपाल चारी उपस्थित थे भारी संख्या में मंडल क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं भाग लिया इस कार्यक्रम दौरान तेलंगाना राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के जन्मदिन के सन्दर्भ में कार्यकर्ताओं के उपस्थित में केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी. इस बैठक में मंडल, ग्राम एवं बूथ स्तरीय

समितियों के पुनर्गठन पर चर्चा की गई. तत्पश्चात नवनिर्वाचित चुने गए कृषि बाजार समिति अध्यक्ष को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया. मंडल स्थाई पदों के लिए युवा नेताओं से आवेदन प्राप्त किए गए. इस बैठक में निर्मल जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीहरि राव ने कार्यकर्ताओं को संभोधित करते हुवे कहा मंडल स्थाई के प्रतेक गाँव में कांग्रेस

पार्टी को मजबूत बनाने को कहा और कार्यकर्ताओं से की स्थानीय लोगों की समस्याओं पर कार्य करने के आदेश दिए इस कार्यक्रम द्वारा आगामी चुनावों के लिए रणनीति बनाते हुवे सचिवों की भूमिका आदि मुद्दों पर नेत-1ओं ने विस्तार से चर्चा की. सभी स्तरों पर समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता है, इस बात को जिला अध्यक्ष श्रीहरि

राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह स्पष्ट किया गया. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण स्तर के कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए और कांग्रेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुवे कार्य करने शपथ ली. इस बैठक में पूर्व विधायक जी. विठ्ठल रेड्डी, मैसा कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष शिंदे आनंद राव पटेल, ब्लॉक समिति के अध्यक्ष शंकर चंद्र, पूर्व सरपंच माधव राव पटेल, पूर्व सांसद चंद्रकांत यादव, बापेड्री राजन्ना, वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर वडवोना, पैक्स अध्यक्ष नारायण राव पटेल, लासमन्ना हेगडेकर, शेड्डी पटेल और मंडल स्थाई कांग्रेस कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल हुए।

नकली कपास के बीज जब्त



जयपुर, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जयपुर एसीपी वेंकटेश्वर राव ने बताया कि नकली कपास के बीज ले जाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जानकारी जयपुर सहायक

आयुक्तालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई। शाम को जब कोटापल्ली पुलिस कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ रापानपल्ले अंतराज्यीय पुल पर जांच कर रही थी, तभी किछपुर के गुडा मनोहर रेड्डी की कार में 48.6

किलो कपास के बीज मिले। उन्होंने बताया कि इनकी कीमत 1,45,800 रुपए है। सिरोंचा के चित्तावर श्रीनिवास ने सिंगीदीवार नरेश के साथ मिलकर कब्जुल किया कि नागपुर में अज्ञात व्यक्तियों से इन्हें खरीदकर मंचेरियल जिले और महाराष्ट्र में बेचने के लिए ला रहे थे।

मनोहर रेड्डी को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य दो फरार हैं। उन्होंने बताया कि मनोहर रेड्डी के खिलाफ वर्ष 2018 और वर्ष 2025 में भी जयपुर और तंदूर थाने में मामले दर्ज हैं। बैठक में चेन्नू और श्रीरामपुर सीआई देवेन्द्र राव और वेणुचंद्र, कोटापल्ली एसआई राजेंद्र और स्टफ ने भाग लिया।



पीसीसी राज्य समिति के उपाध्यक्ष चितला सत्यनारायण और वार्ड 31 के कांग्रेस पार्टी के नेता अप्पस श्रीकांत और कार्यकर्ताओं ने वार्ड 31 गोसेवा मंडल वार्ड में इंदिाराम्मा हाउस स्वीकृति प्रमाण पत्र जारी करने में भाग लिया।

भुगतान में देरी को लेकर सूरजमुखी किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन



मंचेरियाल, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूरजमुखी की खरीद के भुगतान में देरी को लेकर सिद्दीपेट के किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया थोगुटा सोसायटी के अध्यक्ष के हरिकृष्ण रेड्डी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन ने थोगुटा में रास्ता रोक का रूप ले लिया इस अवसर पर बोलते

हुए रेड्डी ने कहा कि सरकार ने थोगुटा मंडल के 400 किसानों से 3 करोड़ रुपए मूल्य के सूरजमुखी खरीदे है। उन्होंने कहा कि हालांकि खरीद 75 दिन पहले पूरी हो गई थी लेकिन किसानों को भुगतान जारी होने के कोई संकेत नहीं है किसानों ने वनकालम कृषि ब्यय को पूरा

करने के लिए धन जुटाने में अपनी असमर्थता पर चिंता व्यक्त की बीआरएस मंडल अध्यक्ष जीदीपल्ली राम रेड्डी ने बताया कि सरकार यासंगी रायथु भरोसा योजना का लाभ सभी किसानों को देने में विफल रही है तथा उसने अधिकांश किसानों को ऋण माफी देने से भी मना कर दिया है।

मंचेरियाल, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में बेशकीमती सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण किया जा रहा है कुछ राजनीतिक समर्थन वाले लोग नहरों के किनारे सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण कर रहे हैं और सीवर भरकर निर्माण कार्य भी कर रहे हैं। लेकिन आरोप है कि किसी को इसकी परवाह नहीं है एनटीआर चौरास्ता से शुरू हुई मुख्य नहर कागजनागर कस्बे से रेलवे ट्रैक तक जाती है विभिन्न कॉलोनियों की सीवेज नहरों को इस मुख्य नहर से जोड़ा गया है करीब 30 फीट चौड़ी मुख्य नहर की लंबाई के दोनों तरफ अतिक्रमण था लेकिन अब यह घटकर 10 फीट रह गई है एनटीआर चौरास्ता से शुरू होकर औद्योगिक क्षेत्र कागजनागर सीएचसी और उससे सटे समारोह हॉल के पास मुख्य नहर के दोनों तरफ निर्माण कार्य चल रहा



हैकागजनागर कस्बे में सरकारी जमीन और नालों पर अतिक्रमण के पीछे अधिकारियों और नेताओं का हाथ होने का आरोप है कस्बे की मुख्य नहर पर अतिक्रमण हो चुका है और उसका क्षेत्रफल कम हो गया है हर साल बारिश के मौसम में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच जाता है हर बार द्वारका नगर संजीवैया कॉलोनी, नौगाम बस्ती जैसी कॉलोनियों में बाढ़ आ जाती है हर साल बारिश के मौसम में लोगों को भारी

पेशानियों का सामना करना पड़ता है हालांकि नालों पर अतिक्रमण हो चुका है और बाढ़ के कारण लोगों को पेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है कागजनागर कस्बे में बेशकीमती सरकारी जमीनों और नालों पर अतिक्रमण की अनदेखी करने वाले नगर निगम अधिकारियों ने गुरुवार को एक अवैध निर्माण

को ढहा दिया कस्बे के वीआईपी स्कूल की नालियों पर बने अवैध निर्माण को हटाया गया कागजनागर टाउन प्लानर यशवंत ने बताया कि उन्होंने सर्वे करके इसे ढहा दिया जबकि उन्हें इस बारे में कोई शिकायत नहीं मिली थी एनटीआर चौराहे से शुरू होने वाला मुख्य नाला कागजनागर सीएचसी के पास औद्योगिक क्षेत्र से लेकर उसके बगल में स्थित समारोह हॉल तक अभी भी अतिक्रमण की गिरफ्त में है नाले पर शुरू से लेकर आखिर तक अतिक्रमण है और पक्के निर्माण हो चुके है अगर अधिकारी ईमानदार हैं तो स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि ये सारे अतिक्रमण हटाए जाए कागजनागर कस्बे में कई जगह सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हो चुका है पट्टम के संजीवैया कॉलोनी में नाले पर अतिक्रमण हो चुका है कई बार अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद भी ध्यान नहीं

दिया जा रहा है इसी तरह द्वारकानगर कॉलोनी के धोबीघाट पर भी अतिक्रमण हो चुका है कस्बे में नालों पर अतिक्रमण होने से क्षेत्रफल कम हो गया है और बरसात में पानी खत्म नहीं होता घरों में घुस रहा है अब तो अधिकारियों को कुछ तो करना चाहिए राजस्व और नगर निगम विभाग के तत्वावधान में कागजनागर शहर की सभी सरकारी जमीनों का सर्वेक्षण कर रहे है अगर पाया गया कि कहीं भी अतिक्रमण है चाहे वह सरकारी जमीन हो या नाला हम उसे जरूर हटाएंगे। हमें अतिक्रमण की कोई शिकायत नहीं मिली है हमने जो सर्वेक्षण किया उसमें पाया गया कि वीआईपी स्कूल प्रबंधन ने अतिक्रमण कर नाला बना लिया था इसलिए इसे तोड़ दिया हम पूरे नाले का सर्वेक्षण कर रहे हैं हम नाले को अतिक्रमण से बचाएंगे।

कुमारभूमि टाइगर कॉरिडोर के रूप में जीओ 49 को रद्द किया जाना चाहिए



कुमारभूमि/आसिफाबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीपीएम पार्टी नेताओं ने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारों टाइगर कॉरिडोर के नाम पर जीओ 49 लाएं ताकि आदिवासियों द्वारा खेती की जाने वाली जमीन और उनके रहने वाले क्षेत्रों से जंगलों को हटाया जा सके और कॉरपोरेट कंपनियों के लिए जंगल बनाए जा सकें। 20-6-2025 (शुक्रवार) संयुक्त आदिलाबाद जिले के आदिलाबाद, कुमारभूमि आसिफाबाद, मंचेरियाल और निर्मल जिलों के पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए राजनीतिक प्रशिक्षण वर्ग सुंदरय्या विज्ञान केंद्र में शुरू हो गए हैं। सीपीएम केंद्रीय समिति सदस्य तम्मिनेनी वीरभद्रम ने कक्षाओं का उद्घाटन करते हुए बात की। केंद्र की भाजपा सरकार नई राष्ट्रीय वन नीति अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा पेसा अनुसूची के अधिकारों को छीनने और उस

जंगल के खनिज संसाधनों को निवेशकों और कॉर्पोरेट कंपनियों को देने की नीति लेकर आई है। इसके तहत उसने छत्तीसगढ़ के हसदे वन क्षेत्र की 4 लाख एकड़ जमीन अडानी को दे दी है। वह वहां से आदिवासियों को बेदखल कर देश के वन क्षेत्र में जमीनें हड़प रही है और टाइगर कॉरिडोर के नाम पर जमीनें ले रही है। उन्होंने मांग की कि इसे वापस लिया जाए। इसी तरह जब पिछली राज्य सरकार को पूरे राज्य में 12 लाख एकड़ धान की जमीन के पट्टे देने के लिए आवेदन मिले तो बीआरएस सरकार ने 4 लाख एकड़ के पट्टे दिए। कांग्रेस सरकार, जिसने अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया था कि वह 8 लाख एकड़ जमीन पर खेती करने वाले धान की खेती करने वालों को अधिकार प्रमाण पत्र देगी, गठन के एक साल बाद भी इसका कोई संकेत नहीं दिख रहा है।

बीआरएस नेता पर हमले के पूर्व विरोध में विधायक दिवाकर राव का धरना

मंचेरियाल, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल के पूर्व बीआरएस पार्टी के विधायक नडीपल्ली दिवाकर राव और राज्य नेता नडीपल्ली विजित राव ने कार्यकर्ताओं के साथ मंचेरियाल जिला मुख्यालय के बेलमपल्ली चौराहे पर सड़क पर धरना दिया यह धरना बीआरएसवी नेता दगुला मधुकर पर हुए हमले की निंदा करने के लिए आयोजित किया गया था इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व विधायक ने सवाल किया कि क्या मंचेरियाल में लोकतंत्र है? या नहीं? उन्होंने कहा उन्हें गुस्सा इस बात पर है



कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से 18 महीनों में कई लोगों को धमकाया गया उन पर हमला किया गया और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए उन्होंने मांग की कि पुलिस मंचेरियाल में इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार

करे धरना देने वालों को हिरासत में लेकर पुलिस थाने ले जाया गया वे थाने में बैठकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि जब तक हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक धरना खत्म किया जाए उन्होंने मांग की कि पीड़ितों को न्याय मिले।

एमईसी समूह परीक्षा में प्रार्थना राठी को तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त होने से विधायक मक्खन सिंग राज ठाकुर ने किया सम्मान



मंचेरियाल, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोदावरीखत्री के राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य गिरधारी लाल -पुष्पा देवी राठी की सुपौत्री, निलेश, आराधना राठी की सुपुत्री प्रार्थना राठी ने

एम.ई.सी समूह परीक्षा में तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुई। प्रार्थना राठी प्रथम वर्ष की एम.ई.सी समूह परीक्षा में अर्थशास्त्र विषय में उत्तीर्णता प्राप्त की, लेकिन अपेक्षित अंक नहीं प्राप्त होने से उन्होंने परीक्षा पुनः लिखी और 99.2% (500 में

496) नंबर लाकर तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इच्छित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हासिल की, इस अवसर पर राजस्थानी प्रगति समाज के सदस्यों ने गुरुवार को राजस्थानी भवन में सम्मान का आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में रामगुंडम निर्वाचन क्षेत्र विधायक मक्खन सिंग राज ठाकुर ने उपस्थित होकर प्रार्थना राठी एवं परिवार के सदस्यों को सम्मान किया, और शुभकामनाएं दी, विधायक ने कहा कि राठी परिवार का नाम रोशन के साथ इस रामगुंडम क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है।

कोरुटला सरकारी अस्पताल में आपातकालीन वार्ड में मरीजों की अनदेखी



जगतियाल, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जगतियाल जिले के कोरुटला के सरकारी अस्पताल में समुचित मिशन - ऑथोपेडिक व अन्य डॉक्टर नहीं हैं, आपातकालीन मामलों का इलाज नहीं हो रहा - ब्लड बैंक की स्थापना जरूरी है -

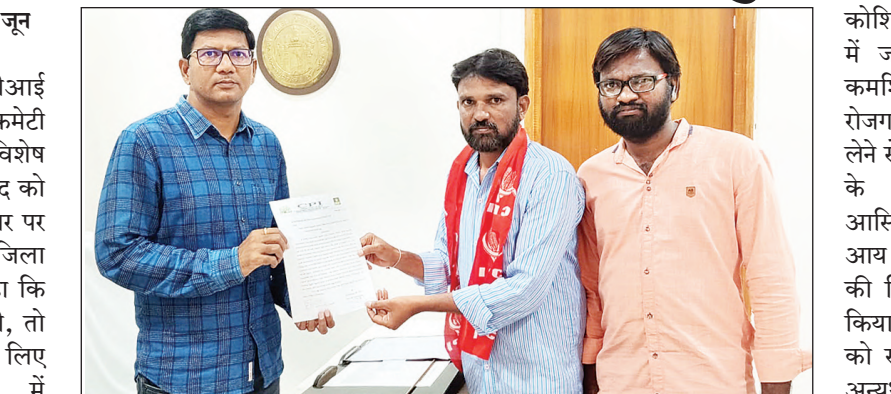
इसलिए उचित कदम उठाए कोरुटला चुनाव ईक्षेत्र है लेकिन एक्सरे नहीं है अस्पताल में कोई इमर्जेंसी सर्विस नहीं है इस लिए मरीज को जगतियाल या तो करीमनगर लेजाने की जरूरत होती है आजतक कई दुर्घटना के लोग यहाँ से लेजाते समय रस्ते में ही

मृति हो गये है कहते हुवे अर डी वो के जनरल डॉक्टर और सर्जरी के लिए डॉक्टर भी मौजूद न होने से लोग काफी मुश्किलों का सामना करते है बताया गया एक मेमोरैण्डम दिया गया एम् आई एम् पार्टी के नेतावो के नेतृत्व में आज ये खदम आगे बढ़ाया गया।

आसिफाबाद नगर परिषद के व्यावसायिक परिसरों के लिए नई निविदा घोषित की जाए : आत्मकुर चिरंजीवी

कुमारभूमि/आसिफाबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीपीआई कुमारभूमि आसिफाबाद जिला कमेटी के तत्वावधान में लोकेश्वर विशेष अधिकारी नगर परिषद आसिफाबाद को एक याचिका सौंपी गई। इस अवसर पर आत्मकुर चिरंजीवी सीपीआई जिला कार्यकारिणी समिति सदस्य ने कहा कि जब आसिफाबाद ग्राम पंचायत थी, तो ग्राम पंचायत के वित्तीय राजस्व के लिए 1995 में विवेकानंद चौक में व्यावसायिक दुकान परिसरों का निर्माण किया गया था। उन्हें बने हुए लगभग 30 साल हो गए हैं। लेकिन उस दिन से लेकर आज तक निविदा अधिसूचना का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इसके साथ ही उस व्यावसायिक दुकान परिसर की दुकानें



30 साल से कुछ ही लोगों के हाथों में बंदी बनी हुई हैं। आज आसिफाबाद नगर पालिका को अपग्रेड करके नगर पालिका बना दिए जाने के बाद कई युवा बेसब्री से टेंडर नोटिफिकेशन जारी होने

का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन पता चला है कि आसिफाबाद नगर पालिका के अधिकारी शॉप कॉम्प्लेक्स प्रबंधन से मिलीभगत करके बिना किसी टेंडर नोटिफिकेशन के इसे फिर से बनाने की

कोशिश कर रहे हैं। इसलिए ऐसे समय में जब उम्मीद है कि युवाओं को कर्मर्शियल शॉप कॉम्प्लेक्स के जरिए रोजगार के अवसर मिलेंगे, ऐसा फैसला लेने से न केवल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खत्म होंगे बल्कि आसिफाबाद नगर पालिका की आर्थिक आय भी कम होगी। इसलिए उन्होंने मांग की कि नया टेंडर नोटिफिकेशन जारी किया जाए ताकि कई बेरोजगार लोगों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। अन्यथा इस मौके पर चेतावनी दी गई कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के तत्वावधान में युवाओं को लामबंद करके बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में तल्लापल्ली दिवाकर, धर्मी राकेश आदि शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने इंदिाराम्मा आवासों के मामले में अनियमितताएं बरती हैं

कुमारभूमि/आसिफाबाद, 20 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में आज वांकीडी मंडल केंद्र में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में बोलते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रवक्ता येलगाती सुचित ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने इंदिाराम्मा आवासों के मामले में अनियमितताएं की हैं और इंदिाराम्मा आवास केवल कांग्रेस



नेताओं के रिश्तेदारों को दिए हैं। मंडल की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इंदिाराम्मा समिति के नेताओं और उनके रिश्तेदारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, लेकिन पात्र आने वाले लोगों को आवास नहीं दिए गए हैं। कांग्रेस सरकार इंदिाराम्मा

आवासों के नाम पर लोगों को धोखा दे रही है। वह आम लोगों को इंदिाराम्मा आवास नहीं दे रही है। वह सभी पात्र लोगों को दरकिनार कर कांग्रेस नेताओं और उनके रिश्तेदारों को इंदिाराम्मा आवास दे रही है।

